समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जनवरी २०१७ • वर्ष ६८ • अंक ०१
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

स्थापना दिवस समारोह में बिहार के राज्यपाल महामहिम श्री रामनाथ कोविद दीप प्रज्ज्वलित करते हुए। साथ में श्रीमती सविता कोविद श्री प्रह्लादराय अगरवाला, श्री सीताराम शर्मा, श्री हरिप्रसाद कानोड़िया, श्री रामअवतार पोद्दार, श्री विवेक गुप्ता श्री संतोष सराफ, श्री शिव कुमार लोहिया, श्री विजय कुमार डोकानियाँ, श्री आत्माराम सोंथालिया, श्री कैलाशपति तोदी आदि परिलक्षित हैं।

इस अंक में :

- अध्यक्षीयः संगठन में ही शक्ति है
- सम्पादकीयः निर्णय हमें करना है
- स्थापना दिवस समारोहः हमें अपने मिट्टी का कर्ज नहीं भूलना चाहिए
- प्रांतीय समाचार
- स्वामी विवेकानंद जयन्तीः भारतीय एकता के प्रतीक
- लेखः दूधीया मुखड़ारी जबान क्यू काटौ हौ

बधाई!!!

श्री राजकुमार मिश्रा
दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन
के नव निर्वाचित अध्यक्ष

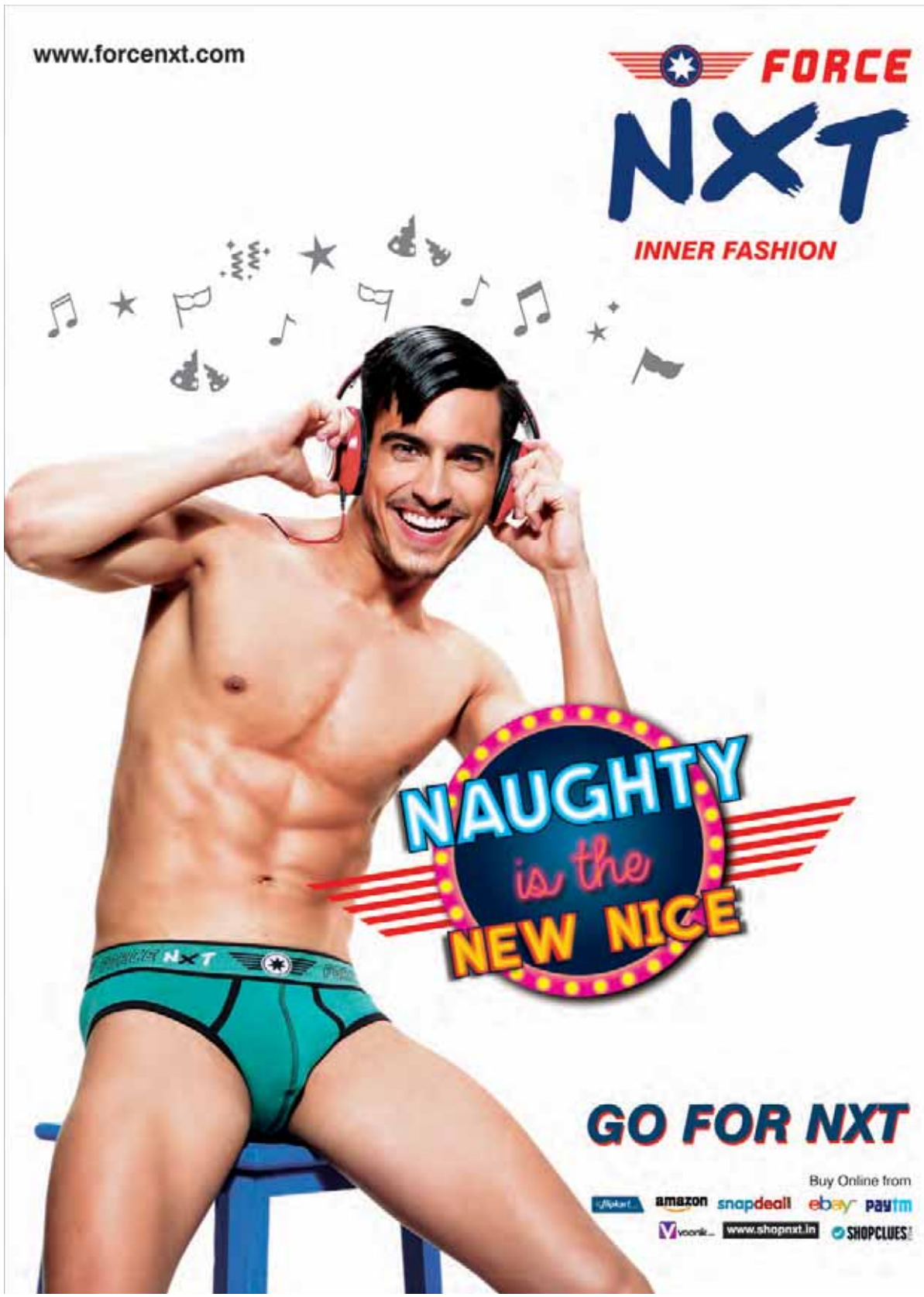

www.forcenxt.com
FORCE
NXT
INNER FASHION
NAUGHTY
is the
NEW NICE
GO FOR NXT
Buy Online from
amazon
snapdeal
ebay
paytm
www.shopnxt.in
SHOPCLUES

समाज विकास

◆ जनवरी २०१७ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०१
◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** निर्णय हमें खुद करना है!	३
• **चिट्ठी आई है**	७
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** संगठन में ही शक्ति है!	९
• **राष्ट्रीय / प्रान्तीय समाचार**	१०-१७
• **लेख : शिव कुमार लोहिया** भारतीय एकता के प्रतीक - स्वामी विवेकानंद	१८
• **दूधीया मुखड़ा री जबान क्यूं काटौ है?**	२१
• **सम्मेलन की सम्बद्ध संस्था**	२२
• **विविध**	२३
• **नए सदस्यों का स्वागत**	२४-२९

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : संतोष सराफ
सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

निर्णय हमें खुद करना है!

– सन्तोष सराफ

सर्वप्रथम अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से जुड़े सभी को एवं उनके निकटस्थों को आंग्ल नव वर्ष पर हार्दिक शुभकामनायें!

जनवरी माह में हम राष्ट्र की दो महान विभूतियों की जयन्ती मनाते हैं - स्वामी विवेकानंद एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस - दोनों परम राष्ट्रवादी, विपरीत परिस्थितियों में भी विचलित न होने वाले, अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति एवं भावी पीढ़ियों के लिये अक्षय प्रेरणास्रोत।

उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, गुलाम मानसिकता एवं अध्यात्मिक शक्तिक्षीण देशवासियों को स्वामी जी ने कठोपनिषद का मंत्र, **"उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत। क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया दुर्ग पथस्तत्कवयो वदन्ति।।** (उठो, जागो, और जानकार श्रेष्ठ पुरुषों का सान्निध्य प्राप्त करो। विद्वान मनीषीजनों का कहना है कि ज्ञान का मार्ग उसी प्रकार दुर्गम है जिस प्रकार छुरे के पैना किए धार पर चलना।)", देते हुए लक्ष्यप्राप्ति तक विश्राम न करने का आह्वान किया। वहीं, राष्ट्र के तथाकथित नेतृत्व की कार्यरतापूर्ण नीतियों से असहमत, वीर सुभाष ने **'उठो पार्थ गांडीव सम्भालो'** के पथ का अनुसरण किया। द्वितीय विश्वयुद्ध की तत्कालीन परिस्थितियों में नेताजी को भारत के लिये स्वतंत्रता-प्राप्ति का सुअवसर दिख पड़ा। राष्ट्रवादियों से सर्वोच्च त्याग का आह्वान करते हुए उन्होंने सिंहगर्जना की, **"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।"**

अपने समय की परिस्थितियों के आलोक में, अपने विवेकानुसार अपना धर्म निर्धारित करते हुए, माँ भारती के इन दोनों सपूतों ने मातृभूमि पर अपना सर्वस्व न्योछावर किया। **हमारा शत-शत नमन!**

धर्मपालन आवश्यक है। **भतृहरि नीति शतकम्** के अनुसार, **'येषां न विद्या न तपो न दानं न चापि शीलं न गुणो न धर्मः। ते मृत्युलोक भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति।।'** (जिन लोगों ने न तो विद्यार्जन किया है, न तपस्या की है, न दान के कार्य किए हैं, न शीलवान हैं, न गुणों को अर्जित किया है, न धर्म के अनुसार आचरण करते हैं, वैसे लोग इस मृत्युलोक में मनुष्य के रूप में जानवरों की तरह भटकते रहते हैं और इस धरती पर बोझ हैं।) तथापि, परिस्थितियों के अनुसार हमारा धर्म बदलता है। धर्म की शास्त्रप्रदत्त परिभाषा है, **धारयेति इति धर्मः**। (जो धारण करने योग्य हो, वही धर्म है।) हमें भी परिस्थितियों के आधार पर अपना धर्म (कर्त्तव्य) निर्धारित करना चाहिए।

सम्मेलन लम्बे समय से अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से धार्मिक अंधानुकरण एवं व्यर्थ आडम्बरों से बचने का आह्वान करता रहा है किन्तु **मर्ज बढ़ता गया ज्यों-ज्यों दवा की**। आज हम देखते हैं कि धार्मिक आयोजनों में लाखों-करोड़ों रुपये अनावश्यक फूँके जा रहे हैं। जबकि समाज का एक संसाधनहीन तबका ऐसा भी है जिसके पास अपने बच्चों की प्राथमिक शिक्षा के लिए संसाधन मयस्सर नहीं है। ऐसे लोगों की तादाद भी बहुत बड़ी है जो अर्थ के अभाव में ईलाज से वंचित रह जाते हैं। **ऐसे में हमारा धर्म क्या होना चाहिए - अपने श्रमसंचित धन से बड़े पंडाल लगाकर, अन्धाधुन्ध खर्च कर वैभवपूर्ण धार्मिक आयोजन करना या वंचित लोगों के शिक्षा एवं स्वास्थ्य के मद में उनका सहयोग करना?** निर्णय हमें खुद करना है। ★★★

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

www.srei.com
Empowering Entrepreneurs to shape the future
Financing of equipment, new and old, across diverse sectors :
Infrastructure | Construction | Mining | Information Technology | Healthcare | Agriculture
SREI BNP PARIBAS
SREI
Holistic Infrastructure Institution
Infrastructure Equipment Finance | Project Finance, Advisory and Development | Venture Capital |
Capital Market | Sahaj e-Village | QUIPPO - Equipment Bank | Insurance Broking

ANMOL®

The Right Bite

BISCUITS

Even before

"Good morning"

we are the first thing on

a million lips every day.

Enjoy fresh-baked goodness.

www.anmolbiscuits.com

L&K | SAATCHI & SAATCHI

चिट्ठी आई है

सत्यमेव जयते

VASUNDHARA RAJE

CHIEF MINISTER RAJASTHAN

Message

It is good to know that All India Marwari Federation, one of the oldest community organization of Rajasthani people having Pan India presence, is celebrating the 82nd year of its foundation at Kolkata. A special issue of its in-house monthly magazine *'Samaj Vikas'* is also being published.

I wish the organization the very best on this occasion.

Vasundhara Raje.

(Vasundhara Raje)

आडम्बर एवं फिजूलखर्ची

समाज-विकास पत्रिका का नवंबर का अंक प्राप्त हुआ। पत्रिका में 'जीवन का मूल्य एवं लक्ष्मीजी कहाँ रहती हैं?' अध्यक्ष, समाज सुधार समिति डाक्टर जुगल किशोर सराफ द्वारा दिया गया विचार कि समाज में शादी-विवाह दिन में हों, संपूर्ण समाज के लिये विचारणीय विषय है। हमारे शादी-विवाह के अवसर पर जो आडम्बर एवं फिजूलखर्ची होती है, उससे हम सभी अवगत हैं। संपन्न लोगों का तो निर्वाह उनकी इच्छा के अनुसार हो जाता है, परन्तु मध्यमवर्गीय एवं आर्थिक दृष्टि से जो बिलकुल कमजोर होते हैं, उन्हें इन आडंबरों के कारण कर्ज में डूब जाना पड़ता है। अतः संपन्न लोगों को इस गलत परिपाटी को शीघ्रातिशीघ्र बन्द करना अति आवश्यक है। श्रद्धेय हरिमोहन बांगड़ द्वारा दिये गये विचार "घर में हमें मारवाड़ी होना चाहिये" बड़े ही माकूल हैं। समाज के हर तबके के लोगों को इस गहन विषय पर विचार कर 'मारवाड़ी होना चाहिये' पर शीघ्रता से विचार करना चाहिये। समय-समय पर "समाज विकास" पत्रिका द्वारा ऐसे उत्तम विचार हमें बराबर प्राप्त हो रहे हैं और समाज पर इसका बड़ा ही अनुकूल प्रभाव पड़ रहा है। मानवीय उत्कर्ष का आधार है समानुभूति। संवेदना ऐसी अनुभूति है, जो परायों के दर्द को अपना बना लेती है। पीडा दूसरों को होती है, पर प्राण अपने छटपटाते हैं। भविष्य में भी हमारे अग्रज विचारवानों से समाज अपेक्षा करता है कि समाज सुधार के हर अंग पर सदैव ध्यान दिलाते रहें।

– सत्यनारायण तुलस्यान
मुजफ्फरपुर (बिहार)

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

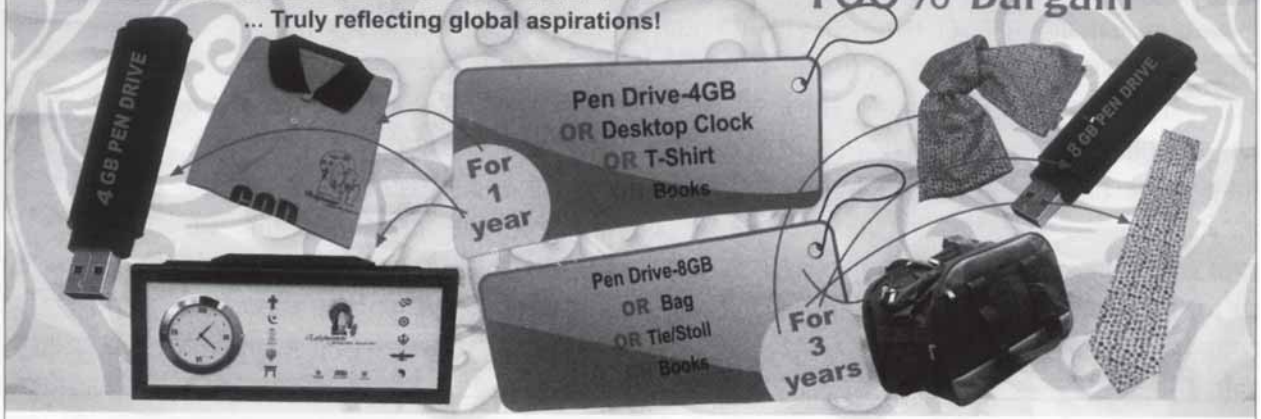

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

अरदास २०१७

आँगन कंवारो रेवा दीज्यै पणं रंडापो मत दीज्ये
भगवान जवानी दे दीज्यै पणं पछै बुढापो मत दीज्यै

हाथी दीज्ये घोडा दीज्यै गधा गधेडी मत दीज्यै
सुगरां री संगत दे दीज्यै नशा नशैडी मत दीज्यै

घर दीज्यै घरवाली दीज्यै खींचाताणीं मत दीज्यै
जूणं बलद री दे दीज्ये तेली री घाणीं मत दीज्यै

काजल दीज्यै टीकी दीज्यै पोडर मत दीज्यै
पतली नार पदमणीं दीज्यै तूं बुलडोजर मत दीज्यै

टावर दीज्यै टींगर दीज्यै बगनां बोगा मत दीज्यै
जोगो एक देय दीज्यै पणं दो नांजोगा मत दीज्यै

भारत री मुद्रा दै दीज्यै डालर वालर मत दीज्यै
कामेतणं घर वाली दीज्यै ब्यूटी पालर मत दीज्यै

कैंसर वैंसर मत दीज्यै तूं दिल का दौरा दे दीज्यै
जीणों दौरो धिक ज्यावेला मरणां सौरा दे दीज्यै

नेता और मिनिस्टर दीज्यै भष्टाचारी मत दीज्यै
भारत मां री सेवा दीज्यै तूं गद्दारी मत दीज्यै

भागवत री भगती दीज्यै रामायण गीता दीज्यै
नर में तूं नारायण दीज्यै नारी में सीता दीज्यै

मंदिर दीज्यै मस्जिद दीज्ये दंगा रोला मत दीज्यै
हाथां में हुन्नर दे दीज्यै तूं हथगोला मत दीज्यै

दया धरम री पूंजी दीज्यै वाणी में सुरसत दीज्यै
भजन करणं री खातर दाता थौडी तूं फुरसत दीज्यै

घी में गच गच मत दीज्यै तूं लूखी सूखी दे दीज्यै
मरती बेल्यां महर करीज्यै लकड्यां सूखी दे दीज्यै

कवि नें कीं मत दीज्यै कविता नें इज्जत दीज्यै
जिवूं जठा तक लिखतो रेवूं इतरी तूं हिम्मत दीज्यै

अध्यक्षीय

संगठन में ही शक्ति है!

– प्रह्लाद राय अगरवाला

मातृशक्ति, युवाशक्ति, भाइयों,

सर्वप्रथम सम्मेलन से जुड़े सभी लोगों एवं उनके निकटस्थों को आंग्ल नववर्ष की हार्दिक बधाइयाँ एवं आपकी प्रसन्नता, स्वास्थ्य एवं समृद्धि हेतु मंगलकामनाएँ!

गत २५ दिसम्बर २०१६ को सम्मेलन का ८२वाँ स्थापना दिवस समारोह गरिमामयी ढंग से आयोजित किया गया। बिहार के महामहिम राज्यपाल श्री राम नाथ कोविन्द ने समारोह को विभूषित किया। अपने सारगर्भित संबोधन में महामहिम ने स्वतंत्रता-संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के निर्माण में मारवाड़ी समाज के विभिन्न योगदानों का जिक्र करते हुए अनेक प्रेरणाप्रद बातें कहीं। अपनी मिट्टी से जुड़े रहने एवं उसकी खुशबू विश्व के कोने-कोने में फैलाने को उन्होंने समाज की एक अद्भुत विशिष्टता बताया। इस विशिष्टता को मारवाड़ी समाज की प्रतिष्ठा का एक अहम कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि अपनी मिट्टी का कर्ज कभी नहीं भूलना चाहिए और उससे जुड़े रहना चाहिए। महामहिम ने कहा कि सनातन संस्कृति का आदर्श रहा है कि जो भी सम्पति एवं संसाधन हमें उपलब्ध हैं, वे हमारे पास थाती के रूप में हैं। इनका उपयोग हमें उन्हीं मदों में करने का अधिकार है जिनसे वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों का हित साधन हो। उन्होंने इस सम्बंध में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 'ट्रस्टीशिप के सिद्धान्त' का भी उल्लेख किया।

हम सभी के लिये यह एक विचारणीय विषय है। आज समाज में व्याप्त मिथ्याडम्बर एवं अपव्यय की मिसालें हम रोज देखते हैं। यह धन का सदुपयोग नहीं है। जब हमारे व्यय से समाज का, खासकर इसके साधनहीन तबकों का, कोई हित सधे, तभी हमारे धन का सदुपयोग हुआ। संत कबीर के शब्दों में :

बृच्छ कबहु नहि फल भखे नदी न संचै नीर,
परमारथ के कारने साधुन धरा शरीर।

यहाँ एक और विषय विचारयोग्य है। **हम अपने धन का, समय का या संसाधनों का समाजहित में प्रयोग अगर अलग-अलग करते हैं तो सीमित सफलता प्राप्त होती है – अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ता! किन्तु यही कार्य यदि हम संगठित होकर, एक साथ मिलकर करते हैं तो हमारी सफलता की सम्भावनाएँ बहुत बढ़ जाती हैं।** सौभाग्य है कि हमारे दूरदर्शी पूर्वजों ने संगठन, समाज-सुधार, एवं समाज तथा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास हेतु अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के रूप में हमें एक अद्भुत मंच प्रदान कर रखा है जिसके तत्वावधान में गत आठ दशकों से भी अधिक समय से समाज गौरवशाली प्रगतिशील उपलब्धियाँ हासिल करता आ रहा है।

जैसा आपको ज्ञात है, वर्तमान सत्र (२०१६-१८) में सम्मेलन ने संगठन-विस्तार के अभियान को सर्वोपरि रखा है, पूरे राष्ट्र में हरेक स्तर से सदस्यता-विस्तार के कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं, सफलता भी मिल रही है। आप सभी से भी अपने-अपने स्तर से इस पुनीत यज्ञ में सहयोग का अनुरोध है ताकि हम सब एक साथ आकर समाज एवं राष्ट्र के हित में अपने कर्त्तव्यों का निवर्हन कर सकें।

जय समाज, जय राष्ट्र! ★ ★ ★

हमें अपने मिट्‌टी के कर्ज को नहीं भूलना चाहिए – राज्यपाल कोविंद

मारवाड़ी समाज ने देश के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वैसे तो पश्चिम बंगाल का प्रशासनिक नियन्त्रण सरकार के हाथ में हैं, पर ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य की वित्तीय व्यवस्था का संतुलन मारवाड़ी समाज के हाथ में है। आज मारवाड़ी समाज शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्यम, व्यापार, संस्कृति आदि क्षेत्रों में अपना योगदान दे रहा है। उक्त बातें बिहार के महामहिम राज्यपाल **श्री राम नाथ कोविन्द** ने कहीं जो अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८२वें स्थापना दिवस के अवसर पर कलामंदिर प्रेक्षागृह मे आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि मारवाड़ी देश के कोने-कोने में फैले हुए हैं। इन्होंने अपने मिट्‌टी की खूशबू पूरे देश मे फैलाई हैं। समाज ने जो आज प्रतिष्ठा पाई है वह मिट्‌टी की ही देन है। मिट्‌टी के कर्ज को नहीं भूलना चाहिए। उन्हें सदैव अपनी मिट्‌टी से जुड़े रहना चाहिए। इसके पूर्व महामहिम राज्यपाल ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने संगठन को मजबूत करने के लिए प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के द्वारा अनेकों महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हुए हैं। अभी बहुत कुछ आगे भी करना है। हर मारवाड़ी परिवार से एक व्यक्ति के सदस्य होने के लक्ष्य की बात उन्होंने कही। समाज के सभी संस्थाओं से एकजुट होकर समाज एवं राष्ट्र के लिए काम करने का आह्वान किया। प्रधान वक्ता एवं सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि समाज में धन का प्रभाव बढ़ रहा है। समाज एवं सम्मेलन के गौरवशाली अतीत की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि परिस्थितियाँ बदल रही हैं। हमें हमारी सोच में एवं व्यवस्था में सादगी एवं सरलता अपनाना होगा। आडम्बर एवं दिखावा की मानसिकता को त्यागना होगा।

विशिष्ट अतिथि एवं सांसद **श्री विवेक गुप्त** ने सम्मेलन के महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने आशा प्रकट की कि भविष्य में भी सम्मेलन अपने लक्ष्य की ओर बढ़ता रहेगा। समाज के सभी वर्गों से उन्होंने अनुरोध किया कि उत्साह एवं स्वेच्छा से आगे आकर सम्मेलन के कार्यक्रमों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़ें एवं सम्मेलन को मजबूत बनायें।

राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने वर्तमान सत्र में अप्रैल माह से सम्मेलन के कार्यकलायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी समाज देश का महत्वपूर्ण अंग हैं। इस समाज को संगठित, परिष्कृत एवं राष्ट्र के लिये समर्पित करने के लिए सम्मेलन सदैव प्रयत्नशील है। उन्होंने सम्मेलन का अधिक से अधिक सदस्य बनने एवं बनाने का अनुरोध किया।

समारोह में राजस्थान के मंडावा निवासी **श्री केसरीकांत शर्मा 'केसरी'** को **सीताराम रूंगटा राजस्थानी भाषा साहित्य सम्मान** से नवाजा गया। उनकी अनुपस्थिति में उनकी सुपुत्री ने महामहिम के हाथों मानपत्र, पुरस्कार राशि आदि ग्रहण किया। राजस्थान के ही चुरू निवासी **श्री दुलाराम सहारन**

को **केदारनाथ भागीरथी देवी कानोड़िया राजस्थानी भाषा बालसाहित्य सम्मान** प्रदान किया गया। सभा को संबोधित करते हुए श्री सहारन ने कहा कि राजस्थानी भाषा को सांवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करना चाहिए। संविधान की आठवीं अनुसूची मे राजस्थानी, भोजपूरी एवं भोटी को शामिल करने का फैसला किया गया है। संभावना है कि संसद के अगले पत्र में तीनों भाषाओं को सांवैधानिक मान्यता प्राप्त हो जायगी।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री कैलाशपति तोदी**, संयुक्त महामंत्रीद्वय **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका** एवं **श्री दिनेश जैन** ने अतिथियों का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष

श्री केसरीकांत शर्मा की ओर से उनकी पुत्री सम्मान ग्रहण करती हुईं।

श्री दुलाराम सहारण सम्मान ग्रहण करते हुए।

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया एवं श्री आत्माराम सोंथलिया ने साहित्यकारों को पुरस्कार राशि के चेक प्रदान किये। निवर्तमान अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार** ने महामहिम राज्यपाल को मेमेन्टो एवं भूतपूर्व अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** ने शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। स्वागत कमिटि के चैयरमैन **श्री संतोष सराफ** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। संचालन राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने किया।

समारोह में महामहिम राज्यपाल की धर्मपत्नी श्रीमती सविता कोविंद, पश्चिम बंगाल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बिजय कुमार डोकानियाँ, रिटायर्ड जनरल अशोक कुमार, विट्ठल दास मूंधड़ा, सज्जन भजनका, अशोक तोदी, जुगल किशोर सराफ, रतन शाह, कुंज बिहारी अग्रवाल, हरि प्रसाद बुधिया, राजेन्द्र खंडेलवाल, सुदेश अग्रवाल, जोधराज लड्ढा, नन्द किशोर अग्रवाल, कमल गांधी एवं अन्य अनेक गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। समन्वय के कलाकारों द्वारा सरजमीं शीर्षक कार्यक्रम के अंतर्गत देशभक्ति से ओतप्रोत अनूठा कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

जहाँ डाल डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा, वंदे मातरम, है प्रीत जहाँ की रीत सदा, मेरा रंग दे बसंती चोला, सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्तां हमारा, मेरे देश की धरती सोना उगले-उगले हीरे-मोती, कर चले हम फिदा जाने-तन साथियों जैसे गीतों ने लोगों को भाव-विभोर कर दिया। बीच-बीच में तालियों की गड़गड़ाहट से कलामंदिर प्रेक्षागृह गूँजता रहा।

श्री राजकुमार मिश्रा दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नये अध्यक्ष

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय सभा ४ जनवरी २०१७ को अणुव्रत भवन में आयोजित की गई। इस सभा में वर्तमान प्रादेशिक महामंत्री श्री राजकुमार मिश्रा को निर्विरोध आगामी सभा के लिये दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय अध्यक्ष

निर्वाचित किया गया। प्रांतीय संस्थापक अध्यक्ष एवं चुनाव अधिकारी श्री पन्नालाल बैद ने यह सूचना देते हुए बताया कि आगामी रविवार १२ फरवरी २०१७ को होनेवाले प्रांतीय अधिवेशन में उनको एवं उनकी टीम को शपथ दिलाई जायगी।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारिगण ने श्री मिश्रा को बधाई संदेश प्रेषित किये हैं।

श्री मिश्रा ने एक वक्तव्य में कहा है – "परमपिता परमात्मा को नमन करता हूँ। प्रणाम करता हूँ हमारे सभी पूर्वज जिन्होने ८२ वर्ष पूर्व इस बहुआयामी संगठन की संरचना की तथा अभी तक इसकी गरिमा को बनाये रखा। दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का मुझे निर्विरोध प्रान्तीय अध्यक्ष चुनने के लिए प्रान्तीय अध्यक्ष एवं बडे भाई श्री पवन जी गोयनका, निवर्तमान प्रान्तीय अध्यक्ष एवं दिल्ली में इस सम्मेलन रूपी वृक्ष की पौध को लगाने वाले सम्मानीय श्री पन्नालाल जी बैद, प्रान्त के सभी पदाधिकारीगण, शाखाध्यक्ष, शाखामहामंत्री एवं सभी सम्मानीय सदस्यगण का हार्दिक धन्यवाद एवं अभिनन्दन। मैं सभी समाजबन्धुओं को विश्वास दिलाता हूँ कि आनेवाले समय में हम सब मिलकर नये आयाम स्थापित करेंगे। आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आप सभी इसी तरह सहयोग बनाये रखेंगे।"

संक्षिप्त परिचयः श्री राज कुमार मिश्रा

श्री राजकुमार मिश्रा का जन्म १६ सितम्बर १९६८ को राजस्थान के चूरू जिले की सरदारशहर तहसील में वैद्य श्री गोपाल जी मिश्रा (पिताजी) एवं श्रीमति नारायणी देवी (माताजी) के चतुर्थ सुपुत्र के रूप में हुआ। ये ५ भाई व ४ बहन हैं। दूगड़ विद्यालय सरदार शहर में हाईस्कूल की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उतीर्ण की। दूगड़ महाविद्यालय सरदार शहर से वाणिज्य स्नातक की डिग्री प्रथम श्रेणी से उतीर्ण की। पढ़ाई में हमेशा ही अग्रणी रहने के अलावा खो-खो, फुटबाल व वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि में राज्य स्तर तक की प्रतियोगिता में भाग लिया तथा जीत हासिल की। १९९३ से अब तक अपने छोटे भाई श्री पवन मिश्रा के साथ मिलकर इण्डस्ट्रीज में कन्ज्युमेबल गुड्स सप्लाई का व्यवसाय कर रहे हैं तथा पिछले २ वर्षो से marwarivivah.com के नाम से विवाह योग्य युवक-युवतियों के रिश्ते करवाने के प्रोफेशन में भी लगे हुए हैं। ०८ मई १९९५ को श्रीमती संगीता मिश्रा के साथ शादी के पवित्र बंधन में बंधे। इनके दो सुपुत्र आदित्य व अनुराग हैं जो अभी अध्ययन कर रहे हैं।

श्री राजकुमार जी मृदुभाषी, स्पस्टवक्ता, समाजसेवी व कर्मठ कार्यकर्ता होने के साथ-साथ सफल व्यवसायी भी हैं। सितम्बर २०१४ में प्रान्तीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका जी ने आपको दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का महामंत्री नियुक्त किया। आपने गोयनका जी के निर्देशानुसार व उनके साथ कदम से कदम मिलाकर तथा अन्य सभी पदाधिकारियों व सदस्यों के सहयोग से दिल्ली में मात्र २ वर्षों में ६ शाखाओं का गठन किया व सदस्य संख्या तीन गुनी से भी अधिक करके एक श्रेष्ठ महामंत्री होने की भूमिका निभाई। आप मारवाड़ी युवा मंच, पश्चिम दिल्ली शाखा के अध्यक्ष पद पर रहें व वर्ष २००६ में विशाल कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर लगाकर ४२१ कृत्रिम अंग लगवाये। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के अमृतधारा कार्यक्रम के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में पूरे राष्ट्र में अमृतधारा कार्यक्रम को करवाने हेतु सराहनीय प्रयास किया। दिल्ली प्रान्तीय मारवाड़ी युवा मंच के अपने प्रान्तीय अध्यक्ष के कार्यकाल में रजत जयन्ती कार्यक्रम, पूरी दिल्ली में मसाल यात्रा, कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम के अतिरिक्त दिल्ली में विशाल पोलियो करेक्टिव सर्जरी कैम्प लगाकर २२४ बच्चों का सफल आपरेशन करवाया। वर्तमान में विप्र फाउन्डेशन के "परिणय सेतु" कार्यक्रम के राष्ट्रीय संयोजक, बाल सत्संग समिति, विनय भजन समाज (रजि.) में शाखा, प्रान्त एवं राष्ट्र स्तर के पदों को सुशोभित कर रहे हैं।

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING. STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

300 RESIDENTIAL COMPLEX

Parnasree Green

Actual View

THE PREMIUM LIFESTYLE AWAITS YOU.

After the successful completion of the Parnasree Green Phase I, SKDJ Group now launches the PG Height (Phase II).

The biggest jewel in the crown of Parnasree Green the Phase II shall consist over 90 Premium Residences spread across 10+ storeys with various modern amenities. Located on the 60 feet wide, prominent Upendra Nath Banerjee Road it shall be the Largest Complex with State-of-the-art security in Parnasree.

Close to New Alipore, Parnasree Green Phase II is well connected to Schools, Hospitals, Metro and Multiplexes etc. with public transport facilities right at the doorstep.

Swimming Pool | Community Hall | Indoor Games
Multi-gym | Children's Play Area | Jogger's Track

Marketed By
SOMANI REALTORS™
Home for All

Developed By
SKDJ Group

Contact us:
033 6459 5959
97 4848 5858

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

कामरूप शाखा द्वारा स्थापना दिवस पालन

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८२वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सम्मेलन की कामरूप शाखा ने असमिया टीवी धारावाहिक "खाफलांग काई" के कलाकारों के सहयोग से महिला सशक्तिकरण विषय पर जागरूकता अभियान के तहत गुवाहाटी के फटाशील चौराहा, मालीगांव चौराहा और नेपाली मन्दिर चौराहा पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। फटाशील चौराहे पर विशेष अतिथि के रूप में के.सी. दास कॉमर्स कॉलेज के उपाचार्य राधेश्याम तिवारी ने इस अभियान की भूरि-भूरि प्रशंसा की। मालीगांव चौराहे पर वयोवृद्ध समाजसेवी, कवि और लेखक शंकर लाल पारीक ने कहा कि सम्मेलन को समाज सेवा के साथ साथ सामाजिक संस्कारो पर भी ध्यान देना चाहिये। नुक्कड़ नाटक में भ्रूण-हत्या, रक्तदान, और महिला शिक्षा पर प्रकाश डाला गया।

इन तीनों ही कार्यक्रमों में भरलुमुख, मालीगांव और पल्टन बाजार पुलिस थाने के अधिकारियों और यातायात पुलिस ने भरपूर सहयोग की। कार्यक्रम में शाखाध्यक्ष सम्पत मिश्र, सचिव मनोज काला, उपाध्यक्ष प्रदीप जैन, सहसचिव पवन जाजोदिया, कोषाध्यक्ष प्रेमचन्द खजांची, कार्यकारिणी सदस्य बिमल काकड़ा, प्रभु दयाल जैन, प्रदीप जाजोदिया, किशोर काला आदि ने सक्रिय सहयोग दिया।

असम साहित्य सभा का शतवार्षिक कार्यक्रम

असम साहित्य सभा का शतवार्षिक कार्यक्रम गत २७ दिसम्बर २०१६ को जोरहाट में आयोजित किया गया जिसका विशिष्ट संस्थाओं और समाजबन्धुओं द्वारा १०० पताका फहरा कर उद्घाटन किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन जोरहाट शाखा की तरफ से अध्यक्ष श्री बाबुलाल गगड़, मंत्री अनिल केजड़ीवाल, प्रान्तीय मंडलीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, पूर्व मंत्री जुगल किशोर अग्रवाल तथा मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष श्री ज्योति प्रसाद सिंघी ने अलग अलग ध्वज फहराया तथा शोभायात्रा में भी शिरकत की। शोभायात्रा के दौरान दो जगह पानी की व्यवस्था भी सम्मेलन द्वारा की गई। इस कार्य में सुरेश एवं गोपाल पोद्दार तथा फैंसी क्लोथ स्टोर का पूर्ण सहयोग मिला।

असम साहित्य सभा शत वार्षिक पताका पहराने के समय उपस्थित प्रान्तीय मण्डलीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद, जोरहाट सम्मेलन अध्यक्ष बाबुलाल गगड़, मंत्री अनील केजड़ीवाल, मारवाड़ी युवा मंच जोरहाट के अध्यक्ष ज्योती प्रसाद सिंघी एवं अन्य।

समाचार-सार

स्व. जुगल किशोर जैथलिया छोटीखाटू गौरव सम्मान से विभूषित

"सृजन से ही साहित्य का निर्माण होता है और साहित्य समाज को नई दिशा प्रदान करता है। साहित्य और पुस्तकालय ज्ञान के दीप हैं जो हमें अपनी परम्पराओं और संस्कृति का ज्ञान कराते हैं। श्री छोटीखाटू हिन्दी पुस्तकालय द्वारा प्रतिवर्ष साहित्य सम्मान का आयोजन इस अंचल में ज्ञान के दीप को प्रज्ज्वलित कर रखा है।" ये उद्गार है बिहार के महामहिम राज्यपाल **श्री रामनाथ कोविन्द** के जो श्री छोटीखाटू हिन्दी पुस्तकालय द्वारा गत १८ दिसम्बर २०१६ को स्थानीय जैन सभा भवन में आयोजित साहित्य सम्मान समारोह में बतौर अध्यक्ष बोल रहे थे। इस समारोह में महामहिम राज्यपाल ने दिल्ली के **डॉ. महेशचन्द्र शर्मा** को **पं. दीनदयाल उपाध्याय साहित्य सम्मान** तथा नागौर के **श्री लक्ष्मणदान कविया** को **महाकवि कन्हैयालाल सेठिया मायड़ भाषा सम्मान** एवं **स्व. जुगलकिशोर जैथलिया** (मरणोपरान्त) व **डॉ. केवलचन्द गोस्वामी** को **छोटीखाटू गौरव सम्मान** से नवाजा।

इस अवसर पर समारोह के प्रधान वक्ता एवं केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री **श्री अर्जुनराम मेघवाल** ने कहा कि अपनी जन्मभूमि से सभी को प्यार और मान होना चाहिए। स्व. जुगलकिशोर जैथलिया की ओर से छोटीखाटू में साहित्य के क्षेत्र में किए कार्य जन्मभूमि से उनके प्यार का ही परिणाम हैं। उनके प्रयास से छोटीखाटू का साहित्य के क्षेत्र में पूरे देश में नाम रोशन हुआ है।

जोरहाट शाखा की पहल

दिखावा एवं फिजूलखर्ची का विरोध

मारवाड़ी सम्मेलन, जोरहाट शाखा द्वारा सामाजिक कुरीतियों, दिखावा, आडम्बर और अपव्यय के विरूद्ध जनजागरण तथा एकमत से किसी निर्णय पर पहुँचने के लिये गत १८ दिसम्बर २०१६ को श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी, जोरहाट के शताब्दी भवन में समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों तथा गणमान्य समाजबन्धुओं के साथ एक आम सभा आयोजित की गई। सम्मेलन के जोरहाट शाखाध्यक्ष श्री बाबुलाल गगड़ की अध्यक्षता में आयोजित सभा में पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन के मंडलीय उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष श्री मुरलीधर खेतान, श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी प्रबंधक समिति के अध्यक्ष श्री दिलीप अग्रवाल तथा शाखामंत्री अनिल केजड़ीवाल उपस्थित थे। मंत्री अनिल केजड़ीवाल द्वारा सभा उद्देश्य की व्याख्या के बाद सभा द्वारा उचित प्रस्ताव पारित करने का निवेदन किया गया।

श्री कन्हैयालाल हरलालका ने विवाह भवनों में सुधार प्रक्रिया अपनाने की बात कही। श्री जुगल किशोर सिंघी ने अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा २००६ में पारित प्रस्तावों के बारे में जानकारी साझा की, जिसमे व्यंजनों की संख्या २१ करने, मेहमानों की उपस्थिति सीमित करने तथा दिन में शादी को प्राथमिकता देने के बारे में प्रस्ताव लिये गये थे। श्री आनन्द अग्रवाल ने पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक को पूरी तरह बन्द करने का विचार रखा। श्री छत्रमल पींचा ने कहा कि सिर्फ प्रस्ताव लेने से ही कुछ नहीं होगा, अपितु हमें इसके सफल क्रियान्वन करने की भी कोशिश करनी चाहिये। श्री किशन बजाज ने सार्वजनिक स्थानों पर हो रहे दिखावे तथा वर्तमान परिस्थितियों पर अपने विचार रखे तथा इसे नियंत्रित करने का प्रस्ताव रखा। श्रीमती विमला शर्मा ने खाने को नियंत्रित करने और दिखावेबाजी को बन्द करने पर बल दिया। श्री नथमलजी कलानी ने स्वयं का अवलोकन कर सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने की सलाह दी तथा महिला शिक्षा के बाद हो रही प्रगति पर ध्यान आकर्षित किया। श्री ओंकारमलजी सोमानी ने धनाढ्य वर्ग द्वारा इस प्रक्रिया में विशेष सहयोग देने की अपील की। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष श्री भीकम चन्द कुन्डलीया ने बेचलर पार्टी आदि का पुरजोर विरोध किया, अपने समाज के सभी सामाजिक विवाह भवन में २५ व्यंजनों (पानी सहित) से अधिक पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा तथा श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी सहित सभी विवाह भवनों में इसे सख्ती से लागू करने का आह्वान किया। श्री नेमीचन्द करनानी ने निमंत्रण पत्र पर हो रहे अपव्यय पर विरोध जताया तथा आज की परिस्थिति देखते हुए सभी विवाह भवन वालों से सहयोग करते हुए नियम बनाने का अनुरोध किया। श्री दुलीचन्द अग्रवाल और नागर रतावा ने भी कुछ इसी तरह के विचार रखे तथा युवाओं से सहयोग की अपेक्षा की। श्री राधेश्याम बाहेती ने भी भवनों में इसे सख्ती से लागू करवाने का विचार प्रकट किया। श्री मदन गोपाल बिहानी ने धार्मिक आयोजनों में हो रहे बेवजह के दिखावे और खाने पर अपना विरोध जताया तथा सुझाव दिया कि ऐसे कार्यक्रमों में सिर्फ प्रसाद ले जाने की व्यवस्था होनी चाहिये। श्रीमती शान्ति मालपानी ने भी इन सुझावों पर अपनी सहमति जताई तथा महिलाओ की पूर्णतया भागीदारी के लिये पुरूषों से सहयोग का आह्वान किया। श्री राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल ने बहुमूल्य सुझावों के लिये आभार प्रकट किया। अन्त मे मंत्री द्वारा सुझावों की समीक्षा करते हुए सुझाव पारित किया गया कि सभी विवाह भवनों द्वारा २५ व्यंजनो से अधिक पर तथा बेवजह की सजावट पर प्रतिबन्ध लगाया जाये।

जोरहाट पुस्तक विमोचन

मारवाड़ी सम्मेलन, जोरहाट शाखा तथा ग्रन्थ संस्कृति के संयुक्त तत्वावधान मे विशिष्ट समाजसेवी तथा उद्योगपति डॉ. ओम प्रकाश गटाणी द्वारा असमिया भाषा में लिखित पुस्तक **मारवाड़र परा कामरूपलोय - जोरहाटर मारवाड़ी समाज (मारवाड़ से कामरूप तक - जोरहाट का मारवाड़ी समाज)** तथा **जोरहाट प्रतिष्ठार परा स्वाधिनतालोय १७९४-१९४७** के चतुर्थ संस्करण का विमोचन गत २१ दिसम्बर २०१६ को जीमखाना क्लब जोरहाट में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि असम के कृषि मंत्री श्री अतुल बोरा, जोरहाट लोकसभा सांसद श्री कामाख्या प्रसाद तासा, टिओक की विधायक श्रीमती रेनुपमा राजखोवा, ढेकियाजुली के विधायक श्री अशोकानंद सिंघल, जोरहाट पौरसभा की अध्यक्षा श्रीमती अरूणा दत्ता सहित पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री मधुसूदन सिकरिया की उपस्थित में आयोजित भव्य समारोह में असमिया और मारवाड़ी समाजबन्धुओं की उपस्थिति में दोनों पुस्तकों का विमोचन

किया गया। मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों द्वारा सभी अतिथियों का फुलाम गोमछा से स्वागत किया गया तथा स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

इस मौके पर कृषि मंत्री श्री अतुल बोरा ने अपने संबोधन में श्री ओमप्रकाश गटाणी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्थानीय लोगों में मारवाड़ियों के प्रति सिर्फ व्यापार में व्यस्त रहनेवाले समाज की धारणा है, परन्तु श्री गटाणी ने इस धारणा को दूर करने का प्रयास किया है। इसके पहले जोरहाट के सांसद श्री कामाख्या प्रसाद तासा ने कहा कि मारवाड़ी समाज को यहाँ की भाषा-संस्कृति व साहित्य के साथ खुद को जोड़ने की जरूरत है। श्री तासा ने युवा पीढ़ी का भी इतिहास और साहित्य की जानकारी के लिये आगे आने का आह्वान किया। समारोह मे मौजुद ढेकियाजुली के विधायक अशोकानंद सिंघल ने कहा कि श्री गटाणी के पास ऐतिहासिक मुद्राओं का जो संग्रह है, वैसा असम सरकार के संग्रहालय में भी नहीं है। उन्होने कहा कि वे सिर्फ उपाधि से ही मारवाड़ी है, मगर जन्म, कर्म व मातृभूमि असम ही है। उन्होंने कहा कि असम की जातीय माला में मारवाड़ी एक मोती के रूप मे चमक रहा है। उन्होने आगे कहा कि असमिया समाज अच्छे कार्यों की हरदम मान्यता एवं सराहना कहता है।

समारोह को संबोधित करते हुए पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री मधुसूदन सिकरिया ने श्री गटाणी के लेखन की सराहना करते हुए कहा कि मारवाड़ी हर क्षेत्र मे आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी मतलब व्यापारी की धारणा में भी बदलाव हो रहा है। श्री सिकरिया ने कहा कि जोरहाट सांस्कृतिक राजधानी के साथ समन्वय की भी राजधानी है। इस मौके पर लेखक ओमप्रकाश गटाणी ने कहा कि मारवाड़ी जहाँ गये वहीं के होकर रह गये। खास बात यह है कि अपनी भाषा ना छोड़ते हुए भी यहाँ की भाषा और संस्कृति को अपनाया है। समारोह में गैर सरकारी संस्था समन्वय ने श्री गटाणी को जातीय धरोहर का सम्मान प्रदान किया। इस दौरान टिओग की विधायक रेनुपमा राजखोवा, पुस्तक के प्रकाशक मनोज गोस्वामी एवं पुतुल गोस्वामी ने भी अपने विचार रखे।

समारोह को संबोधित करते मधुसूदन सीकरिया।

असम के कृषि मंत्री श्री अतुल बोरा को स्मृति चिह्न भेट करते हुए जोरहाट सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बाबुलाल गगड़।

समाचार-सार

स्काई कैंडल के संस्थापक श्री गौरव गर्ग को मिला 'स्टार्टअप अवार्ड - २०१६'; चित्र में श्री गर्ग को सम्मानित करते प्रख्यात संत गणि राजेन्द्र विजय, बी.एस.एफ. के डिप्टी कमांडेंट श्री कुलदीप चौधरी एवं अन्य।

विवेकानन्द जयन्ती पर विशेष

भारतीय एकता के प्रतीक

– शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

"वे स्वयं राष्ट्रीय एकता के शारीरिक स्वरूप थे। उन्होंने इस एकता को न सिर्फ तर्कों एवं कारणों से पुष्ट किया बल्कि देश के हृदय पर अंकित भी कर दिया। ध्यान आकृष्ट करने वाले उनके शब्द एवं ज्वलंत मुहावरे उनकी आत्मा की भट्ठी से निकलकर जनता के गरमागरम विगलित हृदय पर चोट करने की अद्‌भुत क्षमता थी। इस कारण उनकी बातें हजारों-लाखों के हृदय को भेदने की क्षमता रखती थी। उनका एक मुहावरा जिसने अत्यधिक गंभीर छाप छोड़ी, वह था दरिद्रनारायण। उनका कहना था कि दरिद्रनारायण एकमात्र भगवान है जिसमें मैं विश्वास करता हूँ। दीन-हीन है, सबसे गरीब ही मेरा भगवान है। यह कहा जा सकता है कि उन्होंने भारत का भाग्य बदल दिया एवं उनकी शिक्षा पूरी मानवता में गूँजती रही।" ये शब्द हैं **रोमां रोलां** के जो उन्होंने स्वामी विवेकानन्द पर अपनी पुस्तक 'लाइफ ऑफ विवेकानंद एण्ड दि यूनिवर्सल गोस्पेल' में लिखे हैं।

स्वामी विवेकानंद संत थे। किन्तु देश की अवस्था को देखते हुए देश को एक सूत्र में पिरोने का जोरदार प्रयास किया। इस विषय में श्री रोलां लिखते हैं – उनका जादुई शब्द था – एकता। प्रत्येक भारतीय नर-नारी की एकता। सैकड़ों बोलियों एवं सैकड़ों देवी-देवताओं के साथ सभी शक्ति एवं आध्यात्म की एकता। जनसाधारण एवं उनके समस्याओं के लिये वेदांत शिक्षा को नया रूप दिया। मरणासन्न भारत को नया जीवन प्रदान किया। धनिकों एवं अंग्रेजों द्वारा गरीबों पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध उन्होंने आवाज बुलंद की।

सन् १८९१ में लगभग एक वर्ष के लिये अनाम परिव्राजक के रूप में पूरे देश का उन्होंने भ्रमण किया। इस दौरान वे हर तबके एवं हर धर्म के लोगों के बीच रहे। वस्तुस्थिति का अनुभव एवं अवलोकन किया। उनके अनुसार — "देश झोपड़ी में रहता है। दुःख की बात है कि गरीबों के लिये किसी ने कुछ नहीं किया। हमारे आधुनिक समाज-सुधारक विधवा-विवाह करवाने में अत्यधिक व्यस्त हैं हालाँकि मैं सभी सुधारों का पक्षधर हूँ, परंतु देश का भविष्य इस बात पर निर्भर नहीं करता कि कितने विधवाओं को पति मिलते हैं, बल्कि जनसाधारण के जीवन-यापन की स्थिति पर निर्भर करता है। जब तक देश के लोग भूखे एवं अनपढ़ हैं, मैं प्रत्येक सबल व्यक्ति को देशद्रोही समझता हूँ।" देशवासियों में उन्होंने आत्मसम्मान एवं आत्मगौरव भरने का प्रयास किया। इसी भावना को उन्होंने अपने शिकागो वक्तव्य में रखा – **मैं आपको विश्व के प्राचीनतम सम्प्रदाय की ओर से धन्यवाद देता हूँ। मैं सभी धर्मों की जननी के नाम पर धन्यवाद देता हूँ। मुझे गर्व है कि मैं ऐसे धर्म का प्रतिनिधित्व करता हूँ, जिसने विश्व को सहनशीलता एवं विश्वबंधुत्व का पाठ पढ़ाया है।** शिकागो वक्तव्य से उन्होंने अमेरिकी जनसाधारण का दिल एवं दिमाग जीत लिया, जो एलेक्जेंडर एवं नेपोलियन के सामरिक विजय से भी अधिक महत्वपूर्ण था। अमेरिका के समाचारपत्रों ने लिखा – निसंदेह स्वामी विवेकानंद सर्वधर्म संसद के सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तित्व हैं। उनको सुनने के बाद प्रतीत होता है कि उनके देश में मिशनरी भेजना कितना मूर्खतापूर्ण है। वे अपनी मिशनरी हमारे यहाँ भेजें, यही बेहतर होगा।

इस प्रकार स्वामीजी ने न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशों में भी भारत के प्रति जागरूकता पैदा की। देश के दबे-कुचलों के प्रति उनकी पूरी सहानुभूति थी। अमेरिका प्रवास के दौरान मैसूर महाराज को उन्होंने एक पत्र में लिखा था – एक चीज जो भारत के सभी बुराइयों के मूल में है, वह है हमारे गरीबों की दुर्दशा। उनको शिक्षा प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। इससे उनका खोया हुआ व्यक्तित्व लौट आयेगा। पंडितों के प्रभुत्व एवं विदेशी शासन ने सदियों से उन्हें दबा कर रखा है। अब तो वे यह भी भूल गये हैं कि वे भी मानव है। उन्हें नये विचार देना है। विश्व में जो हो रहा है, उसके प्रति उनकी आँखें खोलनी हैं। इससे वे स्वयं ही अपनी गति प्राप्त कर लेंगे।

उन्होंने कहा था कि मेरे जीवन का सम्पूर्ण लक्ष्य है कि मैं एक ऐसी व्यवस्था स्थापित कर सकूँ जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति के द्वार तक अच्छे एवं पवित्र विचार पहुँच सकें। उसके पश्चात् नर-नारी अपना भाग्य स्वयं निर्धारित कर लेंगे। उन्हें यह पता चले कि जीवन के अत्यधिक महत्वपूर्ण विषयों पर उनके पूर्वजों के क्या विचार थे। अमेरिका से शिष्यों को लिखे एक पत्र में उन्होंने कहा – कठिन परिश्रम करो, धीर रहो एवं भगवान पर आस्था रखो। काम प्रारंभ कर दो। एक ही लक्ष्यवाक्य का स्मरण करो - धर्म को चोट पहुँचाये बिना जनसाधारण का उत्थान। यह करना आवश्यक है एवं हम इसे करेंगे। स्वयं पर विश्वास रखो।

इस प्रकार हम पाते हैं कि स्वामी विवेकानंद के दिल में भारत के दबे-कुचले लोगों के प्रति पूरी सहानुभूति भरी थी। देश के गौरवशाली अतीत को याद करते हुए तत्कालीन स्थिति से वे अत्यंत दुखी थे। अपने छोटे से जीवनकाल में उन्होंने पूरे देश को जगाया। उनकी वाणी उनके बाद के सभी राजनीतिक, सामाजिक नेताओं को प्रभावित करती रही एवं आज भी कर रही है। उनकी जयन्ती पर वीर योद्धा, महान संत, मानवतावादी महापुरुष को शत-शत नमन! ★★★

Colourful, sturdy whiter cups and saucers. Something beautiful that brings out the best in your everyday.

diva®

from LA OPALA®

Scratch Resistance | Microwave Safe | Break Resistant | Toughened Extra Strong | Super White | Super Light | Bone Ash Free 100% Vegetarian

La Opala RG Limited (Corporate Office)
Chitrakoot 10th Floor 230A AJC Bose Road Kolkata 700020
P 033 6503 6656/7/8/9
Corporate Enquiries 090510 51011 | **E** info@laopala.in | www.laopala.in

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM®

CENTURYMDF®

CENTURYDOORS™

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™
NEW AGE PANELS

SAINIK
PLYWOOD
HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

दूधीया मुखड़ा री जबान क्यूं काटौ हौ?

– डॉ. अर्जुनसिंह शेखावत

भारत सरकार टाबरां री प्राथमिक सिक्सा हुकमिया जरूरी अर फोगट कर दी है। आ बात बधाई जोग, थूथको न्हाखे जैड़ी। एनसीआरटीई राजस्थानी ने अठारी मायड़ भासा रै रूप में अंगेजी है। इण बाबत विधानसभा पैव्वा सूं ई संकल्प प्रस्ताव पास कर दियौ हो। विदेसा में ईणरो मान बाधियों है। पछै राजस्थानी ने शिक्षा रौ माध्यम बणावण में कांई आंटों के रोड़ों-रगड़ों हैं? प्राथमिक शिक्सा हिन्दी रै मार्फत दैवण री बात करै, आ गळै नी उतरै अर न्याव संगत ई कोनी लागे। सर्व शिक्सा फलीभूत कोनी व्है सकै जठा तांई, सर्व भासा शिक्सा रौ आसरो नी लैवे। राष्ट्र भासा आपाणी अेक आंख है तो मायड़ भासा दूजी आंख। संस्कृत कोई ने आवै तो तीजौ नैण, पण अंग्रेजी तो चश्मा री ही ठौड़ इज ले सकै, आंख नीं बण सकै।

मायड़ भासा मानवी री आतमा है, अर संस्कृति है। मायड़ भासा खतम हुआ पछै व्यक्ति री पिछाण, वी री संस्कृति, इतिहास, लोक साहित ने परंपरावां लोप व्है जावै। मायड़ भाषा हिवडै तणी पूरौ, बांकी भासावां बुद्ध अर दिमाग तांई इज पगै, औ इज कारण है 'क' आदमी ने सपना सदीव मायड़ भासा में इज आवै। जकौ जितरी भासावां जाणै वीरौं हियौ उतरौ ई विसाल अर चिंतन उतरौ ई उण्डौ व्है। राजनेता नीं तो भासा रौ मरम अर महत्व समझे नी उतनी गहराई तक पुगै वीयानै तो भासावां रो ट्रस्टी व्हैणों जोइजै। दुनिया मांय छः हजार भासवां थी, आज तीन सौ चौइस रैयगी है। यूनेस्को भारत मायं १९६ भासावां माने।

भासावां अर बोलियां मरै कोनी, जोरामरदी मारी जावै कै 'माडाणी आतमघात करण रा सरतण करै। मायड़ भासा राजस्थानी ने प्राथमिक सिक्षा रौ जरियौ नी बणाबण लारै की अैड़ी इज मंसा है - दूद मुंहा धावलिया टावरां री जबान सरकार काटै है जकौ अबै बरदास्त नीं व्हैला। आ आपणी मायड़ भासा री हत्या करण री साजिस लागै। भासा ने साम्राज्यवादी अर साम्यवादी मारे। लोप व्हैती इजराईली भासा आपरै आपै-थापै इच्छा सक्ति रै बलबूता माथै जीवै है। आज अण्डमानी भासा मरणासन्न है जो ७० हजार साल जूनी भासा है। आज वींयारी संख्या फगत पांच हजार ही है। वे चिडी सू बंतळ करै। मवेसी पंखेरू अर दरीयाव राजीव-जंतुवा री भासा तकात समझे। आज आपां प्रकृति ने खाय रीया हा, भासावां ने खाय रीया हा। दुनिया री ८० प्रतिशत भासांवा फगत २ प्रतिसैकड़ा लोग कनै है। भाषावां माथै राजनीति करीज री हैं। फांगड (हिमाचल) री भासा फांगडी थी। जद हमीरपुर नवौ जिल्लौ बणियौं तो राजनेतावा बठारी भासा रो ई नवो नाव 'हमीरपुरी' रख दियौ। औ भासा रौ ब्लैक मेल हैं। १० साल री छोरी इस्कूल मांय आपरी मायड़ भासा 'तेलगू' में बोली तो वीनै सजा मिळी। महाराष्ट्र विधानसभा में मराठी मांय 'शपथ' नी लेवा वाळा साथै ठौका पीजौ करीयौ। दूजी कांनी आस्ट्रेलियां रा प्रधानमंत्री जद आदिवासी भासा री 'उपेक्षा' करी तो प्रधानमंत्री ने माफी मांगणी पड़ी। कितौ विरोधाभास हैं।

मायड़ भासा राजस्थानी आपणी मां है। चावै वे बीजेपी रा लोग व्हौ चावै कांग्रेस रा, सैंग वींरी औलाद है। इण वास्तै सगळ ने इणमें इमदाद करणी चाइजै। मां रौ बंटवाडौं नीं व्है सकै। आपा भासा कुल रा सदस्य हा सौ आपणी भासा रै साथै बाकी सैंग भासावां ई जीवती रेवै, आ भावना राखणी चाइजै। भारत में अजीबो गरीब स्थिति है के दस हजार सू कम बोलणियां री भासा ने जनगणना मांय कोनी गिणै, नीं आंकड़ा छापे। दूजा मुलका मांय अेक हजार लोगां री भासा ने ई ठौड़ दिरीजै। "खासी" भासा बोलणियां ७ हजार है अनुच्छेद ३५० अ में प्राथमिक स्तर पर मायड़ भासा में पर सिक्षा दैवण रौ हक है। संविधान रै अनुच्छेद २१० रै मुजब विधान सभा अध्यक्ष चावै तो जरूरत पड़िया विधायक ने मायड़ भासा में बोलण री छूट दे सके; अनुच्छेद ३५० रे मुजब प्रतिवेदन ई अध्यक्ष ने मायड़ भासा में देय सकै। अनुच्छेद ३४७ रै मुजब जन भासा ने राजभासा घोषित करवा वासतै राष्ट्रपति निर्देश दे सकै। इणमें आठवी सूची कठैई आड़ी नीं आवै। म्है मरूधर मृदुल सूंई इण बाबत चर्चा करी ही।

हमारे जन प्रतिनिधि राजस्थानी में बोल नै वोट मांगे अर जीतींयां पछे वीमें शपथ नीं ले सके। क्यू? न वे प्रतिनिधि विधानसभा में मायड़ भासा की मानीता वास्तै बोले। सरकार विदेशी पर्यटका ने लुभावण वास्तै भात-भातरा राजस्थानी, सांस्कृतिक कार्यक्रम परूसे अर लाखो कमावै पण भासा री मानीता रौ सवाल साम्ही आवता ई जीभ ताळवै चिप क्यू जावैं? भासा अर संस्कृति व्यक्ति री मूळ पिछाण व्है। वा अस्मिता अलोप व्हैती जायरी है। इण वास्ते मांयड भासा राजस्थानी ने सिक्सा सूं जौडनी जरूरी हैं।

सम्मेलन की संबद्ध संस्थाएँ

श्रीमाधोपुर नागरिक परिषद सेवा ट्रस्ट

श्री सागरमल गुप्ता, सी.ए.	–	ट्रस्टी
श्री विमल कुमार चौधरी	–	ट्रस्ट सचिव
श्री उमाशंकर अग्रवाल	–	ट्रस्टी
श्री उत्तम कुमार चौधरी, सी.ए.	–	ट्रस्टी
श्री कैलाश प्रसाद चौधरी	–	ट्रस्टी
श्री दुर्गा प्रसाद पटवारी	–	ट्रस्टी
श्री राजकुमार गोकुलका	–	ट्रस्टी
श्री जगदीश प्रसाद चौधरी	–	ट्रस्टी
श्री विनोद कुमार परवाल	–	ट्रस्टी
श्री मामराज हरमजनका	–	सदस्य
श्री मोहनलाल सुरानीवाला	–	सदस्य
श्री राजेश चौधरी, सी.ए.	–	सदस्य
श्री राजेश अग्रवाल, सी.ए.	–	ऑडिटर मेम्बर
श्री गुंजन चौधरी	–	सदस्य

सचिव
श्री विमल कुमार चौधरी

संस्था का संक्षिप्त विवरण

ट्रस्ट की संस्थागत स्थापना १९८५ ई. में / कोलकाता महानगर में प्रवासी बन्धुओं की प्रगति के साथ अपनी जन्मस्थली श्रीमाधोपुर (जि. सीकर) के विकास कार्यों में प्रयत्नशील है। वहाँ की शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी संस्थाओं में योगदान। ट्रस्ट द्वारा १९८७ ई. में विजयादशमी के दिन श्रीमाधोपुर में पुस्तकालय-भवन का निर्माण एवं संचालन प्रारम्भ किया गया। वहाँ पुस्तकालय के अभाव की पूर्ति हो सकी। इस प्रकार करीब ३० वर्षों से वाचनालय एवं पुस्तकालय चल रहा है। यहाँ महानगर कोलकाता में १२५-१५० परिवार प्रवासी बन्धुओं के रहते है। होली, दीपावली पर प्रीति-सम्मेलन का आयोजन एवं श्रावण, फागुन आदि महीनों में धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के माध्यम से वनभोज, मिलन समारोह आदि प्रकल्प करते हैं। इस वर्ष ट्रस्ट ने गौ-संवर्धन कार्यक्रम कोलकाता पींजरापोल सोसाइटी द्वारा आयोजन में भी सहयोग किया है। नगर में जल वितरण करने वाली प्रमुख संस्था काशी विश्वनाथ सेवा समिति से भी ट्रस्ट जुड़ी है। अपनी क्षमता अनुरूप ट्रस्ट समाज के जरूरतमन्द तबकों की सहायता करती है।

With Best Compliments From :–

"WORLD OF TITAN"

- South City Mall
  Ground Floor, Unit 5006
  375, Prince Anwar Shah Road
  Kolkata – 700 068
  Phone : 24225380/24225381

- 128, Rashbehari Avenue,
  Ground Floor
  Kolkata – 700 029
  Phone : 40089626/40089627

- Titan Eye +, 34A, Manohar Pukur Road
  Kolkata – 700 029

(Courtesy : G. P. Kejriwal)

एक नजर इधर भी .....

[विभिन्न त्यौहारों को सभी अपने-अपने दृष्टिकोण से देखते हैं। प्रस्तुत है आंग्ल नववर्ष पर राष्ट्रकवि स्व. रामधारी सिंह दिनकर का परिप्रेक्ष्य। – सम्पादक]

रामधारी सिंह दिनकर

ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं
है अपना ये त्यौहार नहीं
है अपनी ये तो रीत नहीं
है अपना ये व्यवहार नहीं,

धरा ठिठुरती है शीत से
आकाश में कोहरा गहरा है
बाग बाज़ारों की सरहद पर
सर्द हवा का पहरा है,

सूना है प्रकृति का आँगन
कुछ रंग नहीं, उमंग नहीं
हर कोई है घर में दुबका,
नव वर्ष का ये कोई ढंग नहीं,

चंद मास अभी इंतज़ार करो
निज मन में तनिक विचार करो
नये साल नया कुछ हो तो सही
क्यों नकल में सारी अक्ल बही,

ये धुंध कुहासा छंटने दो
रातों का राज्य सिमटने दो
प्रकृति का रूप निखरने दो
फागुन का रंग बिखरने दो,

प्रकृति दुल्हन का रूप धर
जब स्नेह-सुधा बरसायेगी
शस्य-श्यामला धरती माता
घर-घर खुशहाली लायेगी,

तब चैत्र-शुक्ल की प्रथम तिथि
नव वर्ष मनाया जायेगा
आर्यावर्त की पुण्य भूमि पर
जय-गान सुनाया जायेगा...

ये नव वर्ष हमें स्वीकार नहीं
है अपना ये त्यौहार नहीं

सर्दी आई

ताऊ शेखावाटी

सर्दी आई, सर्दी आई।
काडो कॉमल और रिजाई।
दिन ढलताँ ई पोली जड़की
टाबरियों पर दादी कड़की
सोज्यावो चुप होयर सगला
घाबाँ री घूरी में बड़की
हो ज्यावैगी नहीं पिटाई।
सर्दी आई, सर्दी आई।।
सब जाणै है दादी स्याणी
आनै नींद नहीं है आणी
नहीं सुणावूँगी जद ताणी
आनै कोई नुवीं कहाणी
भरकै हेत हिए मुस्काई।
सर्दी आई, सर्दी आई।।
जी! भरवाल्यो एक सोड़ियो
अबकालै तो घणो कोढियो
पड़सी पालो यूँ कैवै हो
मंदिर हारो आज मोड़ियो
ताऊ नै यूँ बोली ताई।
सर्दी आई, सर्दी आई।।
सर्दी सै मौसम सूँ बढ़की
तू गरीब रै हरदम रड़की
कुण ले आयो तनै पकड़की
मत आ चाल रयी है कड़की
जद कड़की हटज्या आज्याई।
सर्दी आई, सर्दी आई।।

मनड़ै री निरस

यू सामवेद री मूल ऋचा क,
तुलछी री चौपाई यू
दिन भररौ या के लो क,
नींद री गोदी है यू
भून स्यांति रात री क,
परभाती री शहनाई है थू
म्हारे मनड़े ही विरस क,
धोरा री धरती-सी
देखत पांण तिरपत करै यू।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री जॉनी सोंथलिया आनन्द अस्पताल रोड भागलपुर - ८१२००२ बिहार	श्री मनीष कुमार बनेतिया जी-१बी,नवल आश्रम काम्पलेक्स दरियापुर, पटना -३, बिहार	श्री प्रभात कुमार अग्रवाल अस्पताल रोड, सिवान बिहार	श्री श्याम सुन्दर नांगलिया मे. एस. एस. ट्रेडर्स श्रद्धानंद बाजार, सिवान-२६ बिहार	श्री शंकर पंसारी मे. ममता इलेक्ट्रोनिक्स पन्ना मार्केट, सिवान-२६, बिहार
श्री सुधीर गुप्ता मे. कृष्णा एजेन्सीज प्रा. लि. बोरिंग रोड, पटना-१, बिहार	श्री नवरतन मल अग्रवाल ८२३८, हरिनगर चौक टावर नई दिल्ली - ११००६४	श्री दुलि चंद शर्मा ८३३८, हरिनगर चौक टावर नई दिल्ली - ११००६४	श्री मनोज गर्ग सी-८४ए, हरिनगर, क्लॉक टावर, नई दिल्ली-११००६४	श्री संदीप मित्तल सी-१३१, हरिनगर, क्लॉक टावर,नई दिल्ली-११००६४
श्री जयप्रकाश गुप्ता बी३४४, हरिनगर, क्लॉक टावर नई दिल्ली - ११००६४	श्री सतपाल गुप्ता बी३४४, हरिनगर, क्लॉक टावर,नई दिल्ली-११००६४	श्री पंकज मखीजा डी३६, हरिनगर, क्लॉक टावर नई दिल्ली - ११००६४	श्री रामदयाल स्वामी डी६१, हरिमगर, क्लॉक टावर नई दिल्ली - ११००६४	श्री दामोदर प्रसाद शर्मा बी-३३८, हरिनगर, क्लॉक टावर नई दिल्ली - ११००६४
श्री एन. पी. लाहोटी ए१७७, हरिनगर, क्लॉक टावर,नई दिल्ली-११००६४	श्री रघु प्रसाद तपाड़ीया टी२/बी८, बुद्ध विहार फजेई, दिल्ली - ११००८६	श्री संजीव अग्रवाल डब्लु जेड २०३८, रानी बाग नई दिल्ली - ११००३४	श्री बनवारी लाल शर्मा बी३४९ हरिनगर, क्लॉक टावर,नई दिल्ली-११००६४	श्री प्रवीण मित्तल ए-४२, चंदर नगर,जनकपुरी नई दिल्ली - ११००५८
श्री किरण कुमार महिपाल सी-१८८, हरिनगर, क्लॉक टावर, नई दिल्ली-११००६४	श्री वैभव गुप्ता २ए/५८, रमेश नगर नई दिल्ली - ११००१५	श्री श्याम सुन्दर डिडवानियाँ बी. एफ. ब्लाक, गली नं.- १ हरि नगर, नई दिल्ली - ११००६४	श्री राजकुमार खाटुवाला डी-९१, न्यु मुल्तान नगर पश्चिम बिहार, दिल्ली - ५६	श्री एस.पी. लाहोटी बी-३३८, हरि नगर, क्लॉक टावर,नई दिल्ली - ११००६४
श्री राज कुमार काखॉ एन-३७, ग्रेटर कैलाश - I नई दिल्ली - ११००२८	श्री राकेश सराफ ई-६१, द्वितीय तल कालकाजी, नई दिल्ली - १९	श्री प्रमोद अग्रवाल फ्लैट नं.-८०५,फ्लाट नं. ४१ सेक्टर-१०, द्वारका	श्री मनोज कुमार थारड डी-१४७, साकेत नई दिल्ली - ११००१७	श्री सुरेश दुगड़ एम-२०१, गौतम नगर नई दिल्ली - ११००४९
श्री विनीत जालान ए-१०९, सेक्टर-३० नोएडा, गौतमबुद्ध नगर	श्री प्रदीप शर्मा १२२ए/१, प्रथम तल, गौतम नगर, नई दिल्ली - ११००४९	श्री शिव महिपाल ८३/१, साई अपार्टमेंट गौतम नगर, नई दिल्ली-४९	श्री हरिश चंद अग्रवाल ११०४, नवयुग अपार्टमेंटस सेक्टर-४३, गुणगांव	श्री दीन दयाल अग्रवाल १०२, महावीर अपार्टमेंटस सेक्टर-२२, द्वारका नई दिल्ली - ११००७५
श्री दामोदर प्रसाद अग्रवाल डी-९६, शंकरपुर दिल्ली - ११००९२	श्री प्रदीप अरोड़ा जी-४०५, रश्मि अपार्टमेंट हर्ष विहार, पितमपुरा, दिल्ली-३४	श्री सुमित अग्रवाल डब्लु जेड - ६०, रतन पार्क नई दिल्ली-१५	श्री नितीन गुप्ता डब्लु जेड - ५८, रतन पार्क नई दिल्ली-१५	श्री विनीत अग्रवाल डब्लु जेड - ६०, रतन पार्क नई दिल्ली-११००१५
श्री दीपक अहुजा एन-६२, किर्ती नगर नई दिल्ली - ११००१५	श्री वेद प्रकाश बंसल ४०/१७, द्वितीय तल गौतम नगर, नई दिल्ली - ४९	श्री महेश कुमार बंसल १०९/५, द्वितीय तल गौतम नगर, नई दिल्ली - ४९	श्री अशोक अग्रवाल एफ-६, गंगा, मैदान गरी, न्यू दिल्ली - ११००६८	श्री विनोद कुमार दुग्गड़ एम-२०१, गौतम नगर नई दिल्ली - ११००४९
श्री एस. सी. गुप्ता दिल्ली	श्री विक्रम राठी १४/७, प्रथम तल, कालकाजी, नई दिल्ली- ११००१९	श्री राजेन्द्र गुप्ता जी-२०, ग्रीन पार्क नई दिल्ली - ११००१६	श्री अशोक कुमार दुसाद सी-१७, ग्रीन पार्क मेन नई दिल्ली - ११००१६	श्री सुनिल कुमार जैन सी-६/६४०९ बसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०
श्री अनिल राज जैन सी-७/६४०८, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री सुनिल केजरीवाल बी१/१६८५, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री नीरज गोयनका इ-७५, एफ एफ, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली - ६५	श्री ललित मित्तल ३७७/७, जी. एफ. गुड़गांव - १२२००१	श्री अजय मित्तल सी-१३७, सरदोदया इंक्लेव नई दिल्ली - ११००१७
श्री वनवारी लाल सुरेका आर-८६/१, माडल टाउन-III दिल्ली - ११०००९	श्री अनुप अगरवाला बी१/१५८०, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री राम प्रकाश नांगलिया बी-६५, गुलमोहर पार्क जी. एफ. नई दिल्ली - ११००४९	श्री अश्वनी कुमार गुप्ता ३१, गौतम नगर नई दिल्ली - ११००४९	श्री आनन्द हरलालका १/५९७२, काबुल नगर दिल्ली - ११००३२
श्री घनश्याम दास कोठारी ३०, गौतम नगर नई दिल्ली - ११००४९	श्री अनिल गुप्ता २ए/४०, रमेश नगर नई दिल्ली - ११००१५	श्री राजेन्द्र कुमार सिंघानिया बी-६/७१, फर्मा अपार्टमेंट आई.पी. एक्सटें. पतपड़ गंज दिल्ली - ११००९२	श्री कोमल सिंह चौधरी ५४, ब्रदर्स अपार्टमेंट पतपड़ गंज, दिल्ली - ९२	श्री हरिश सिंह चौधरी ५७, ब्रदर्श अपार्टमेंट पतपड़गंज, दिल्ली - ९२

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री सुरेश कुमार अग्रवाल डब्लु १/२, डी एल एफ फेज-१, गुड़गांव-१२२००२	श्री पंकज सरावगी एलयुभी-५०१, अग्रसेन आस्वस ६६, आई. पी. एक्सटें. दिल्ली - ११००९२	श्री संजय गुप्ता बी-८४, गौतम नगर दिल्ली - ११००४९	श्री मनोज अग्रवाल बी-६७, प्रथम तल, स्ट्रीट नं.-११, सेवक पार्क, नई दिल्ली - ११००५९	श्री एन. सी. गोयल ६, गौतम अपार्टमेंट, गुलमोहर पार्क नई दिल्ली - ११००४९
श्री लीला धर सरावगी डी-२४२, विवेक विहार दिल्ली - ११००९५	श्री संजय बंसल ९२, ए.जी.सी.आर. इंक्लेव दिल्ली - ११००९२	श्री बिनोद कुमार डागा १०१, प्रथम तल, एफ.एफ.-७बी, लक्ष्मी नगर, दिल्ली - ११००९२	श्री पवन डालमिया एफ-१०६, प्रशांत विहार दिल्ली - ११००८५	श्री गिरीश गोयनका ३०७, कोरल अपार्टमेंट सेक्टर-७, वैशाली-२०१०१०
श्री आर. पी. अग्रवाल एच-४८, ग्रीन पार्क एक्सटें. नई दिल्ली - ११००१६	श्री सतीश अग्रवाल ८१/१, सर्कुलर रोड सहादरा, दिल्ली-११००३२	श्री विवेक खुराना ५२५, लक्ष्मीबाई नगर नई दिल्ली - ११००२३	श्री जगदीश प्रसाद मोदी ई-१४३, कालकाजी नई दिल्ली - ११००१९	श्री गोविन्द मुंधड़ाँ ३१/७७, पंजाबी बाग वेस्ट नई दिल्ली - ११००२६
श्री शिव कुमार चौधरी बी११/८१३३, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री विकास खैरारी सी-१/१३५८, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री संदीप भार्गव ८८८/बीXI वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री संजीव अग्रवाल २८६, नीलगिरी अपार्टमेंट अलकनंदा नई दिल्ली - ११००१९	श्री प्रभात कुमार छापड़िया ए२४/१,बड़ा मोहल्ला देवी रोड खानपुर, नई दिल्ली-११००८०
श्री अरूण कुमार डी-२०१, द्वितीय तल गौतम नगर नई दिल्ली - ११००४९	श्री अमर मित्तल डी-८१५, एफ एफ, न्यु फ्रैन्डस कालोनी नई दिल्ली - ११००२५	श्री मनमोहन जैन पलाट नं.-२१२, फेज-२ शहजादा बाग, नई दिल्ली - ११००१५	श्री गिरीराज शारडा ५४३-पी, सेक्टर-४५ गुड़गांव - १२२००३	श्री विनोद कुमार गुप्ता एन-२९, एफ एफ नई दिल्ली - ११००४९
श्री रमेश लाल गुप्ता पी-४२, साउथ एक्सटें. पार्ट-II नई दिल्ली - ११००४९	श्री अशोक कुमार गुप्ता सी२/३५, एस.डी.ए. हौजखास नई दिल्ली - ११००१६	श्री आर. पी. महिपाल सी१/११८३, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री नीरज गुप्ता सी१/३६५१, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री प्रेम कुमार बंसल सी१/११११, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०
श्री कुंदनमल अग्रवाल सी८/८१९१, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री संतोष कुमार अग्रवाल सी२/२३९३, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री राजेश गोयल सी८/८०४५, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री पवन कुमार पोद्दार बी-१३/६२, सेक्टर-३ रोहिणी, नई दिल्ली-११००८५	श्री विपीन पोद्दार सी-१३/६२, सेक्टर-३, रोहिणी, नई दिल्ली-११००८५
श्री अशोक कुमार अग्रवाल बी-४५२, सेक्टर-१९ नोएडा - २०१३०१	श्री विकाश कुमार गोगासरिया ७५ए, गौतम नगर नई दिल्ली - ११००४९	श्री संजय अग्रवाल ए-१/१२३, सफदर जंग इंक्लेव नई दिल्ली - ११००२९	श्री सत्य नारायण चौधरी जी-२१/३२८, सेक्टर-७ रोहिणी, नई दिल्ली-११००८५	श्री अरूण शर्मा डी-३७, ग्राउण्ड फ्लोर कालकाजी नई दिल्ली - ११००१९
श्री किशन लाल बैध एफ-७०, प्रथम तल कालकाजी नई दिल्ली - ११००१९	श्री सुभाष गुप्ता ६/१, युसुफ सराय नई दिल्ली - ११००१६	श्री संजय सराफ बी-१/१२२२, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री सुरेश चंद गोयल सी-८/८२८८, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री विपीन जैन ८एफ, ब्लाक आर, दिलशाद गार्डेन, दिल्ली-११००९५
श्री एल. एल. अग्रवाल के-२५, प्रथम तल, ग्रीनपार्क मेन नई दिल्ली - ११००१६	श्री गोपाल अग्रवाल १०००, सेक्टर-ए, पाकेट-बी वसंत कुंज, नई दिल्ली - ७०	श्री अशोक कुमार शर्मा बी५/४१४५, वसंत कुंज नई दिल्ली - ११००७०	श्री नवीन केजरीवाल आर-जेड-८४, दादरी द्वारका - ११००४५	श्री सुभाष चंद मंगला एच-५, ग्रीन पार्क मेन नई दिल्ली - ११००१६
श्री सुरेश बोहरा ई-३५६, ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली - ११००४८	श्री रवि भुषण गोयल ए-६, द्वितीय तल, ब्लाक-ए दिल्ली - ११००२४	श्री ओम नंदा डी-१११ए, डॉ. अम्बेडकर कॉलोनी, छतरपुर, नई दिल्ली - ११००७४	श्री प्रकाश सी जैन डी-६८, हौजखास नई दिल्ली - ११००१६	श्री निर्मल कुमार चौधरी के-२६, साउथ एक्सटें.-II नई दिल्ली - ११००४९
श्री प्रदीप कुमार चौधरी के-२६, साउथ एक्सटें.-II नई दिल्ली - ११००४९	श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल ए-७३, ग्राउण्ड फ्लोर न्यु फ्रैण्डस कालोनी नई दिल्ली - ११००२५	श्री माधव शर्मा ७/१४२, लोधी कालोनी नई दिल्ली - ११०००३	श्री राजेन्द्र गुप्ता ४६, अमृत नगर नई दिल्ली - ११०००३	श्री विनय गुप्ता जेड-३०, हौज खास नई दिल्ली - ११०००३
श्री राम गोपाल किला २९९, पाकेट,सी-८,सेक्टर-८ रोहिणी, दिल्ली-११००८५	श्री हरिश कुमार गर्ग के-२०३०, आई.जी.एफ.एल. चितरंजन पार्क नई दिल्ली - ११००१९	श्री प्रमोद जैन ७/६, सी. ए. अपार्टमेंट पश्चिम बिहार नई दिल्ली - ११००६३	श्री अशोक कारवाँ १८५, टैगोर पार्क, जी. एफ. दिल्ली - ११०००९	श्री राजकुमार बागला २/३२, प्रथम तल, रूप नगर दिल्ली - ११०००७

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री विनोद पोद्दार २०५, स्टारलाईट अपार्टमेंट सेक्टर-१४, नई दिल्ली - ११००८५	श्री अरूण सारडा ४१-सी, सुर्या अपार्टमेंट सेक्टर-१३ नई दिल्ली - ११००८५	श्री सुदेष जैन डी५/९, माडल टाऊन-३ दिल्ली - ११०००९	श्री शशिकला अग्रवाल जी-१/५, फ्लैट नं. ३ माडल टाऊन-३ दिल्ली-११०००९	श्री शशिकान्त अग्रवाल जी-१/५, फ्लैट नं. ३ माडल टाऊन-३ दिल्ली - ११०००९
श्री बजरंग भार्दवाज १७/४१, वेस्ट पंजाबी बाग नई दिल्ली - ११००२६	श्री राजेन्द्र मित्तल एफ२२/९८, सेक्टर-३ रोहिणी नई दिल्ली - ११००८५	श्री उत्तम अग्रवाल बी-६/२४-२४, तीसरा तल सेक्टर-II, रोहिणी नई दिल्ली - ११००९५	श्री संजीव अग्रवाल बी-१९५, तीसरा तल सरस्वती विहार नई दिल्ली - ११००३७	श्री विजय कुमार सोनी ६१/१४, रामजस रोड करोल बाग, नई दिल्ली - ११०००५
श्री गोपाल सुथर ३०१८/१, तीसरा तल पहाड़गंज, नई दिल्ली-५५	श्री अतुल कुमार गुप्ता हो.नं.-३४४४, सेक्टर-२३ गुड़गांव - १२२००१	डॉ. शिव कुमार पारीक बी२/१, अग्रसेन अपार्टमेंट द्वारका, नई दिल्ली - ७५	श्री प्रताप चन्द्र अग्रवाल जे-२०१, साकेत नई दिल्ली - ११००१७	श्री हेमन्त गुप्ता हो. नं.-२, गोयला अंडर हिल रोड, सिविल लाईन्स, दिल्ली - ११००५४
श्री केशव कुमार सिंघानिया यु-१०४, द्वितीय तल विकास मार्ग, दिल्ली-११००९२	श्री रामाकान्त थलिया एस-३, ए४/१०, डी एल एफ अंकुर विहार, लोणी गाजियाबाद - २०१०११	श्री उमेश वर्मा डी-६०१, विदीशा अपार्टमेंट पतपड़गंज, दिल्ली-११००९२	श्री लक्ष्मण प्रसाद मित्तल सी-८, रामपुरी गाजियाबाद - २०१०११	श्री दिनेश गर्ग ११४:-टी-I, जी. सी. इमराल्ड हाईट्स रामप्रस्थ, गाजियावाद - २०१०११
श्री अजय खेमानी ए-११२, मधुबन, प्रीत विहार, दिल्ली-११००९२	श्री श्याम भूदोलिया ४७, डॉबसन रोड, तीसरा तल हवड़ा - ७१११०१, प. ब.	श्री आनन्द कुमार अग्रवाल शशी काम्पलेक्स, तीसरा तल, रु.नं.३०१, पटना-८००००१, बिहार	श्री संजय कुमार २१, पी. पी. कालोनी अपो-युनिसेफ आफिस पटना - ८०००१३, बिहार	श्री पवन कुमार पो. त्रिवेणीगंज, जिला- सुपौल-८५२१३९, बिहार
श्री राधेश्याम शर्मा सिंह वाहिनी दुर्गा मंदीर पुरानी बाजार के नजदीक जमुई - ८११३०७, बिहार	श्री रंजीत झुनझुनवाला कीतवाली चौक, भागलपुर - ८१२००१, बिहार	श्री सुरज अग्रवाल अशोका टावर, गुरुद्वारा रोड भागलपुर - ८१२००२, बिहार	श्री अमरीश कुमार मावंडी गुलाबराम लेन, ए.सी. रोड होटल सदभावना के नजदीक भागलपुर-८१२००२, बिहार	श्री पदम कुमार जैन सोंथलिया मार्केट, भागलपुर - ८१२००२, बिहार
श्री विनय कुमार डोकानियाँ डी. एन. सिंह रोड, घोषला कटना नं. १, भागलपुर - ८१२००२, बिहार	श्री अरविन्द डालमिया गोविन्द मित्रा रोड पटना - ८००००४, बिहार	श्री रवि सौरभ स्वराजपूरी रोड गया - ८२३००१, बिहार	श्री रितेश कुमार अग्रवाल आर्य निवास मार्केट, टेकरी रोड, गया-८२३००१, बिहार	श्री राजेश कुमार अग्रवाल चुनागली मोड़, गया - ८२३००१, बिहार
श्री महेश कंजरिया खण्डेलवाल कम्पाउण्ड मानपुर, गया - ८२३००३ बिहार	श्री दीपक मावंडीया डॉ. वजीर अली रोड धामीटोला, गया - ८२३००१ बिहार	श्री सुरेश सिंघानिया नूर कम्पाऊंड वी मार्ट-II के नजदीक गया - ८२३००१, बिहार	श्री मुकेश खण्डेलवाल मे. एस. खण्डेलवाल एण्ड कं. गया - ८२३००१, बिहार	श्री प्रदीप अग्रवाल राय शीतल प्रसाद रोड गया - ८२३००१, बिहार
श्री संदीप कुमार खण्डेलवाल चौक, गया - ८२३००१ बिहार	श्री सुमित कुमार मोरे २८, के. पी. रोड गया - ८२३००१, बिहार	श्री मयंक बरेलिया गया - ८२३००१ बिहार	श्री मनीष कुमार पोद्दार के. पी. रोड, गया - ८२३००१, बिहार	श्री शंकर प्रसाद डॉ. वजीर अली रोड गया - ८२३००१, बिहार
श्री अभिषेक कुमार सराफ मारवाड़ी टोला लेन भागलपुर-८१२००२, बिहार	श्री उमेश कुमार हिंसरिया सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर- ८४२००१, बिहार	श्री रवि पोद्दार ४०१, गंगोत्री अपार्टमेंट एक्जीबिशन रोड, पटना - ८००००१, बिहार	श्री मुकेश कुमार गोड़िया मेन रोड, गोड्डा-८१४१३३ झारखण्ड	श्री नवनीत कुमार सरावगी मेन रोड, गोड्डा - ८१४१३३ झारखण्ड
श्री राम गोपाल गोड़िया कचहरी के सामने गोड्डा - ८१४१३३, झारखण्ड	श्री प्रकाश बजाज आर. बी. मार्केट काम्पलेक्स गोड्डा - ८१४१३३, झारखण्ड	श्री मुरारी कुमार अग्रवाल मेन रोड, गोड्डा - ८१४१३३, झारखण्ड	श्री नवल किशोर पोद्दार बाईपास रोड, लहरी टोला गोड्डा - ८१४१३३, झारखण्ड	श्री अमरनाथ टेकरीवाल मुफ्सिल थाना के नजदीक गोड्डा-८१४१३३, झारखण्ड
श्री बिजय कुमार परसुरामका, अस्पताल रोड गोड्डा-८१४१३३, झारखण्ड	श्री नवीन मोदी २४८, कांके रोड राँची-८३४००८, झारखण्ड	श्री अशोक कुमार अग्रवाल दीनबंधु लेन, अपर बाजार, राँची-८३४००१, झारखण्ड	श्री अरूण कुमार बाजोरिया एच. बी. रोड राँची-८३४००१, झारखण्ड	श्रीमती शिल्पम सराफ ओ बी सी लेन, कोर्ट रोड राँची-८३४००१, झारखण्ड
श्रीमती किरण देवी सराफ ओ बी सी लेन, कोर्ट रोड राँची-८३४००१, झारखण्ड	श्री मनिष कुमार सराफ ओ बी सी लेन, कोर्ट रोड राँची-८३४००१, झारखण्ड	श्री राज कुमार पोद्दार जे. एन. राय रोड साहेबगंज - ८१६१०९, झारखण्ड	श्री संजय कुमार टिबड़ेवाल मालपहाड़ी रोड पो-जिला-पाकुड़-८१६१०७ झारखण्ड	श्री प्रदीप डोकानियाँ टुंडी रोड, गिरीडिह - ८१५३०१ झारखण्ड

AT
ANU®
SAREES

With Best Compliments from :

Ganpati Industrial Pvt. Ltd.

(Re-Roller & Manufacturer of Railway Track Materials)

Regd. Office :
'Nicco House', 3rd Floor
2, Hare Street
Kolkata - 700 001
Tel : 033 2248 4772/0675/0695
Fax : 033 2248 1877
E-mail: sales@jekay.com

Website: www.jekay.com

Factory :
Plot No. 65 & 66
Urla Industrial Area, Sector-C
Raipur-493 221 (C.G.)
Tel: 0771 4212 511/512/514
Fax No. 0771 4212 555

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य				
श्री ध्रुव सोंथलिया ए-५, पंजाबी कोठी मकतपुर, गिरिडीह - ८१५३०१, झारखण्ड	श्री निर्मल झुनझुनवाला बाभन टोली, पो-जिला - गिरिडीह - ८१५३०१ झारखण्ड	श्री श्रवण कुमार केडिया ताह काम्पलेक्स, गांधी चौक, गिरिडीह - ८१५३०१ झारखण्ड	श्री प्रदीप जैन वाईहूट बाजार, गिरिडीह - ८१५३०१, झारखण्ड	श्री बासुदेव प्रसाद गुटगुटिया रामजस रोड़ मधुपुर देवघर-८१५३५३,झारखण्ड
श्री अभिषेक गुटगुटिया रामजस रोड, मधुपुर-८१५ ३५३, देवघर, झारखण्ड	श्री मोतिलाल अग्रवाल राम जानकी मंदीर रोड सिमडेगा - ८३५२२३, झारखण्ड	श्री शम्भु लाल अग्रवाल मेन रोड, सिमडेगा-८३५२२३ झारखण्ड	श्री राम प्रताप अग्रवाल मेनरोड सिमडेगा - ८३५२२३ झारखण्ड	श्री विनोद कुमार अग्रवाल मेन रोड, सिमडेगा-८३५२२३ झारखण्ड
श्री नवीन कुमार अग्रवाल राम जानकी मंदीर रोड सिमडेगा-८३५२२३, झारखण्ड	श्री ओम प्रकाश शर्मा मार्केट काम्पलेक्स शाप नं.-१८६, सिमडेगा - ८३५२२३, झारखण्ड	श्री सुधीर कुमार जैन महाराजा अग्रसेन चौक मेन रोड, सिमडेगा-८३५२२३ झारखण्ड	श्री गोविन्द अग्रवाल बिड़ला मंदीर रोड पटना - ८०००४, बिहार	डॉ. मनीष कुमार चुनीहारी टोला, भागलपुर- ८१२००२, बिहार
श्री अभिषेक कुमार खेमका गुलाबबाग, जिला : पुर्णिया - ८५४३२६, बिहार	श्री संजय मखरिया बैंक रोड, सुतापट्टी मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार	श्री रंजीत कुमार साह सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार	श्री जय प्रकाश अग्रवाल सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार	श्री गुंजन अग्रवाल ब्राह्मण टोली, मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार
श्री संतोष मोदी सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार	श्री भुपेश नेमानी सुतापट्टी, मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार	श्री पुरूषोत्तम लाल पोद्दार धोबिया गली, मुजफ्फरपुर - ८४२००१, बिहार	श्री रवि बंका सुतापट्टी (मारवाड़ी धर्मशाला) मुजफ्फरपुर - ८४२००१ बिहार	श्री विजय अग्रवाल नरसिंह भण्डार त्रिवेणीगंज - ८५२१३९ सुपौल, बिहार
श्री राज कुमार अग्रवाल त्रिवेणीगंज - ८५२१३९ सुपौल, बिहार	श्री विजय कुमार चॉद त्रिवेणीगंज - ८५२१३९ सुपौल, बिहार	श्री राजीव कुमार अग्रवाल कृष्णानगर ठाकुरबाड़ी रोड सुपौल - ८५२१३१, बिहार	श्री कार्तिक कुमार सुल्तानियाँ मेन रोड, मधेपुरा-८५२११३ बिहार	श्री बजरंग कुमार केडिया मे. माखन भोग स्वीट्स कार्नर मधेपुरा - ८५२११३, बिहार
श्री अमुल कुमार वार्ड नं. १३, पुरानी बाजार मधेपुरा - ८५२११३, बिहार	श्री बद्री कुमार बरिती सुभाष चौक, वार्ड नं. २० मधेपुरा - ८५२११३, बिहार	श्री सुधीर कुमार सुल्तानियाँ मे. श्याम एजेन्सी, वार्ड नं. २०, मधेपुरा - ८५२११३, बिहार	श्री संजय कुमार सुल्तानियाँ मेन रोड, कचहरी रोड मधेपुरा - ८५२११३, बिहार	श्री आलोक कुमार सुल्तानियाँ स्टेशन रोड, मधेपुरा - ८५२११३, बिहार
श्री राजेश कुमार सुल्तानियाँ बस स्टैंड, जिला परिषद कैम्पस मधेपुरा - ८५२११३, बिहार	श्री संजय कुमार सराफ मेन रोड, वार्ड नं. २० मधेपुरा - ८५२११३, बिहार	श्री गिरधारी लाल नेवटिया बी. एन. एम. वी. कालेज साहुगढ़, मधेपुरा-८५२११३ बिहार	श्री गिरधर प्रसाद चंद मेन रोड, पुर्णिया गोला चौक मधेपुरा - ८५२११३, बिहार	श्री अमित माहेश्वरी मेन रोड, वार्ड नं. १३ मधेपुरा-८५२११३, बिहार
श्री बजरंग सारस्वत स्टेशन रोड, मधेपुरा - ८५२११३, बिहार	श्री आलोक कुमार चौधरी पुरानी बाजार, वार्ड नं. १३ मधेपुरा-८५२११३, बिहार	श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल सुभाष चौक, मेन रोड मधेपुरा-८५२११३, बिहार	श्री आनंद सराफ सेन्ट्रल बैंक के सामने मधेपुरा-८५२११३, बिहार	श्री सुनिल कुमार अग्रवाल मेन रोड, मधेपुरा - ८५२११३, बिहार
श्री आनंद कुमार मस्जिद चौक, मधेपुरा - ८५२११३, बिहार	श्री सुमन कुमार तोदी कपड़ा पट्टी, सहरसा-८५२२०१, बिहार	श्री राजेश पारसरामपुरिया कपड़ा पट्टी, सहरसा - ८५२२०१, बिहार	श्री श्रवण सालारपुरिया धर्मशाला रोड सहरसा-८५२२०१, बिहार	श्री महेश अग्रवाल धर्मशाला रोड, सहरसा - ८५२२०१, बिहार
श्री सुनिल टेकरीवाल पूरब बाजार, सहरसा - ८५२२०१, बिहार	श्री शम्भु टेकरीवाल वी. आई. पी. रोड, सहरसा-८५२२०१, बिहार	श्री सुधीर सराफ पुरब बाजार, सहरसा - ८५२२०१, बिहार	श्री अमित कुमार संघाई धर्मशाला रोड, सहरसा - ८५२२०१, बिहार	श्री राकेश रौशन मारूफगंज, सहरसा - ८५२२०१, बिहार
श्री कृष्ण कुमार सुरेका के. पी. मार्केट, सहरसा - ८५२२०१, बिहार	श्री अमित कुमार केडिया कपड़ा पट्टी, सहरसा - ८५२२०१, बिहार	श्री दीपक अग्रवाल बड़ी दुर्गा स्थान रोड सहरसा-८५२२०१, बिहार	श्री मन्टु भीमसारि कपड़ा पट्टी, सहरसा - ८५२२०१, बिहार	श्री अंकीत कुमार तुल्सयान धर्मशाला रोड, सहरसा - ८५२२०१, बिहार
श्री नीरज कुमार तुल्सयान धर्मशाला रोड, सहरसा - ८५२२०१, बिहार	श्री सुरेन्द्र कुमार फतेहपुरिया, पूरब बाजार, सहरसा - ८५२२०१, बिहार	श्री अर्जुन दहलान दहलान चौक, सहरसा - ८५२२०१, बिहार	श्री अभिषेक कुमार ए/३, इंडस्ट्रीयल परगना सहरसा-८५२२०१, बिहार	श्री सुशील कुमार सिरानियाँ मीरा सिनेमा रोड सहरसा-८५२२०१, बिहार

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

2 Yrs. **PGDM** ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

2 Yrs. **#MBA + PGDM** ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

3 Yrs. **#BBA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA+ PGPM** ₹ 85,000

3 Yrs. **#BCA** ₹ 75,000

2 Yrs. **MBA (Hospital Mgmnt.)** ₹ 95,000

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW ▲ APTITUDE TEST
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Eminent Faculty • Online Application Facility
- Regular/ Weekend Classes • Hostel
- AC Classrooms • P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English ▲ Foreign Languages ▲ Bengali & Sanskrit
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development ▲ Theology

Other Courses :

- Company Secretaryship • Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Retail Management
- Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I
- Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi
- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview
- Certificate Course on Computer Applications
- Advanced Diploma in Financial Management
- Vocational & Technical Training
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance
- Certificate course on theology

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

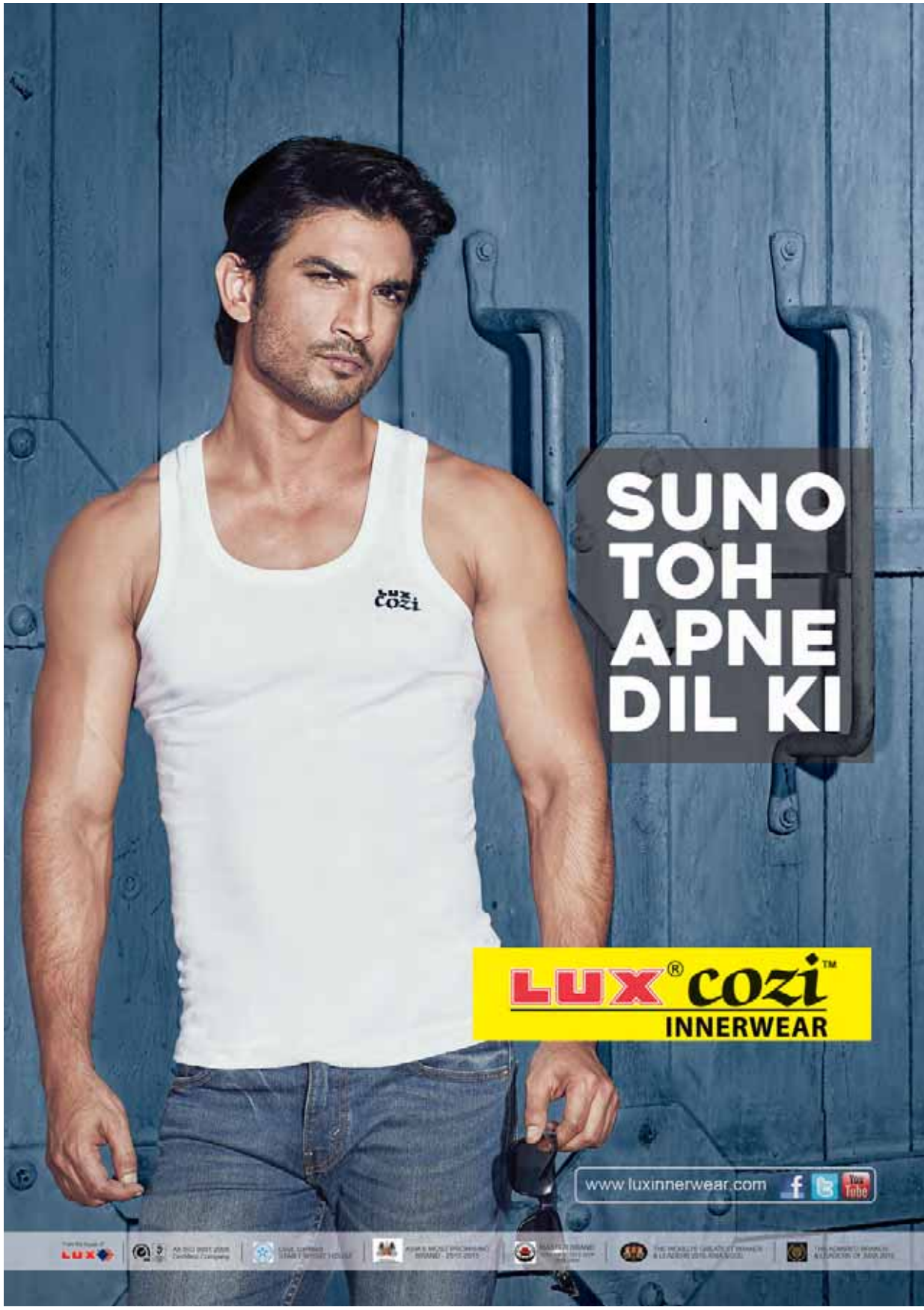
SUNO
TOH
APNE
DIL KI
LUX® cozi™
INNERWEAR
www.luxinnerwear.com

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS
Date of Publication - 30th January 2017
RNI Regd. No. 2868/68

Yeh aaram ka mamla hai!

The line of brands under FRONTLINE AIR | EXPANDO | INTERLOCK | KIDZ | RIB | SKY | XiNG | HUNK

www.rupa.co.in | Toll Free No: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com